हिन्दी व्याकरण

कक्षा 4

कक्षा -4

विषय सूची

पृ.क्र

1. भाषा और व्याकरण (language and grammar)	1-4
2. वर्ण विचार(Orthography)	5-10
3. शब्द और वाक्य(words and sentence)	11-15
4. संज्ञा(noun)	17-22
5. लिंग(gender)	23-26
6. वचन(number)	27-31
7. सर्वनाम(pronoun)	32-36
8. विशेषण (adjective)	37-41
9. क्रिया(verb)	42-47
10. काल(tense)	48-51
11.अशुद्धि शोधन(correct spelling)	52-54
12. विराम चिन्ह (punctuation mark)	55-57
13. विलोम शब्द (antonyms)	58-60
14. पर्यायवाची शब्द (synonyms)	61-63
15.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द(one word substitution)	64-67
16. मुहावरे (idioms)	68-72
17 .अपठित गद्यांश(unseen passage)	73-78
18. चित्र वर्णन(picture description)	79-81
19. पत्र लेखन (letter writing)	82-86
20. अनुच्छेद लेखन (paragraph writing)	87-89
21. संवाद लेखन (dialogue writing)	90-93
22. कहानी लेखन(story writing)	94-97

पाठ 1.

भाषा और व्याकरण (Language and grammar)

शिक्षक ने बोलकर पाठ पढ़ाया । शिक्षक ने लिखकर बताया छात्रों ने उनकी बात सुनकर पाठ समझा। छात्रों ने पढ़कर समझा। इस तरह बोलना, सुनना, लिखना और पढ़ना ये सभी भाषा के अलग-अलग रूप होते हैं।

भाषा - वह माध्यम, जिसके द्वारा हम अपने विचारों को बोलकर,लिखकर एक दूसरे तक पहुँचाते हैं तथा सुनकर और पढ़कर समझते है उसे भाषा कहते हैं।

भाषा के रूप

- मौखिक भाषा
- लिखित भाषा

मौखिक भाषा- मुख से बोलकर कही गई और कानों से सुनकर ग्रहण की गई बातें, मौखिक भाषा कहलाती है।मौखिक भाषा के उदाहरण-

टेलीविजन।

मोबाइल

लिखित भाषा-जब किन्ही लिखी हुई संकेतों अथवा चिह्नो को समझ कर अथवा लिखकर हम अपनी बात समझाते हैं ,तो वहाँ भाषा का लिखित रूप होता है। लिखित भाषा के उदाहरण-पुस्तकें अखबार

विभिन्न भाषाएँ -

पूरी दुनिया में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे भारत में हिंदी, चीन में चीनी, अमेरिका में अंग्रेजी, जापान में जापानी, रूस में रूसी इत्यादि।

भारत के अलग-अलग प्रदेशों की भाषाएँ इस प्रकार हैं-

राज्य	**भाषा**
ओडिशा	उड़िया
कश्मीर	कश्मीरी
महाराष्ट्र	मराठी
आंध्रप्रदेश	तेलुगू
पंजाब	पंजाबी
केरल	मलयालम
गुजरात	गुजराती
कर्नाटक	कन्नड़
पश्चिम बंगाल	बांग्ला

क्या आप जानते हैं?

भारत की राज्य भाषा हिंदी है यह हमारे देश की प्रमुख भाषा है हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।)

लिपि -लिखित भाषा की ध्वनियों को जिस विधि द्वारा संकेत चिह्न बदलकर लिखते हैं, उसे लिपि कहते हैं।

भाषाएँ	**लिपियाँ**
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेजी	रोमन
उर्दू	फारसी
पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी
गुजराती	देवनागरी

व्याकरण -

1 . हमारी देश बहुत बड़ी है 2. मैंने कह दिए थे।

ऊपर लिखे दोनों वाक्य अशुद्ध हैं।

शुद्ध वाक्य है -

1. **हमारा देश बहुत बड़ा है। 2. मैंने कह दिया था।**

व्याकरण - द्वारा इन वाक्यों के अशुद्ध होने का पता चला। इनके शुद्ध रूप का पता भी व्याकरण से ही चलता है।

भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

हम समझ गए

➢ भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।
➢ विचारों के आदान-प्रदान का एकमात्र साधन भाषा कहलाती है।
➢ भाषा के दो रूप होते हैं-मौखिक व लिखित।
➢ भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।
➢ हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है । भारत की राजभाषा हिंदी है।

अभ्यास कार्य -

1. चित्रों को देखिए और और बताइए की भाषा का कौन सा रूप उपयोग किया जा रहा है (लिखित या मौखिक) नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(क) भाषा किसे कहते हैं?

(ख) भाषा कितने प्रकार की होती है?

(ग) लिपि किसे कहते हैं?

(घ) भारत की राजभाषा क्या है?

3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) शिक्षक का बोलकर पढ़ाना,भाषा का .....रूप है।

(ख) प्रारंभ में मनुष्य ..... एवं .....द्वारा अपने विचार व्यक्त करता था।

(ग) भाषा के ..... रूप होते है

(घ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को ..... कहते हैं।

4. दिए गए वाक्यों में सही /गलत लगाइए।

1. पंजाबी भाषा की लिपि देवनागरी है।( )
2. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण के अध्ययन से होता है।( )
3. भाषा चार प्रकार की होती है ( )
4. भाषा के लिखित चिह्नो को लिपि कहते हैं ( )

रचनात्मक कार्य-

1.निम्नलिखित भाषाओं की लिपियों को वर्ग पहेली में ढूंढ कर उन पर गोल घेरा बनाइए तथा उन्हें उनकी भाषा के सामने लिखिए-

हिंदी = **देवनागरी**
उर्दू =.....
अंग्रेजी =.....
पंजाबी =.....

दे	व	ना	ग	री
क	न्न	ड़	ग	फ
गु	रु	मु	खी	फा
श	ड़	घ	पा	र
रो	म	न	लि	सी

पाठ 2

वर्ण विचार (Orthography)

रानी अपने भाई के साथ बाजार गई।रास्ते में उसने एक खिलौने वाले को देखा। वह खुश होकर बोली- भैया! "हाथी, बंदर, खिलौने गुड़ियाँ । "

बताइए-

हाथी , बंदर , खिलौने और गुड़िया में कितनी ध्वनियाँ मिली हैं।

हाथी में – ह् + आ + थ् + ई चार ध्वनियाँ है

बंदर में – ब् + अं + द् + अ + र् + अ छः ध्वनियाँ है

इन ध्वनियों के और अधिक टुकड़े करना संभव नहीं है। अतः यह सभी छोटी- से-छोटी ध्वनियाँ हैं

वह छोटी -से-छोटी ध्वनि, जिसके और टुकड़े करना संभव न हो, वर्ण कहलाती है।

वर्णों के प्रकार

- 1 स्वर (vowels)
- 2 व्यंजन(consonants)

1. स्वर - वे स्वतंत्र ध्वनियाँ, जिनके उच्चारण के लिए किसी अन्य ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें **स्वर** कहते हैं। हिंदी में स्वर 11 हैं। हिंदी के स्वर इस प्रकार हैं।

स्वर वर्ण

स्वर – अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ऋ,ए, ऐ,ओ,औ (11)

अनुस्वार – अं

अनुनासिक – अँ } 1

विसर्ग – अः

आगत ध्वनियाँ - अर्थ चंद्र( ); नुक्ता (•) (1)

स्वरों के अलावा कुछ और भी वर्ण होते हैं,ये हैं अं - यह अनुस्वार कहलाता है। अंयानी अनुस्वार का चिन्ह (ं) होता है, जैसे-गंगा, जंगल, मंगल अंगूर आदि।

अँ-यह अनुनासिक कहलाता है। इसका चिन्ह (ँ) होता है। जैसे - अँधेरा, दाँत, पाँच, मुँह आदि।

अः - इसे **विसर्ग** भी कहते हैं। इसका उच्चारण अ के बाद होता है। इसकी आवाज ध्वनि ‘ ह ’ की तरह होती है। अः का चिन्ह (:) होता है।

स्वर की मात्राएँ

भाषा को शुद्ध लिखने के लिए हमें मात्राओं का सही ज्ञान और प्रयोग करना आना चाहिए। प्रत्येक स्वर का एक चिह्न है। इन चिह्नो को व्यंजन के साथ लगाया जाता है। इन्हें मात्रा कहते हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
-	ा	ि	ी	ु	ू	ृ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
ॅ	ॆ	े	ै	ं	ः	

(ख) व्यंजन - जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता आवश्यक है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी में व्यंजन 33 हैं। ये इस प्रकार हैं।

व्यंजन - क- वर्ग – क ग ख घ ङ
च-वर्ग – च छ ज झ ञ
ट-वर्ग – ट ठ ड ढ ण
त-वर्ग – ध थ द ध न
प-वर्ग – प फ ब भ म
अंतःस्थ – य र ल व] (4)
ऊष्म – श ष स ह] (4)
संयुक्त व्यंजन – क्ष त्र ज्ञ श्र] (4)
अन्य – ड़ ढ़] (2)

} 25

संयुक्त व्यंजन-दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन, संयुक्त व्यंजन कहलाते है जैसे - क्ष,त्र , ज्ञ और श्र ।

क् + ष = क्ष ——— कक्षा
त् + र = त्र ———त्रिशूल
ज् + ञ = ज्ञ ——— ज्ञान
श् + र = श्र ———— श्रमिक

ड़, और ढ़ का प्रयोग-

ड और ढ व्यंजन के नीचे बिंदु लगाकर ड़ और ढ़ ध्वनियाँ बनती हैं। इन्हें व्यंजन के रूप में माना जाता है। जैसे-

ड़ - सड़क, कड़क, भड़क, घोड़ा, गाड़ी, कपड़े आदि।

ढ़ - पढ़ाई, चढ़ना, बुढ़िया आदि।

ड़, ढ़ ध्वनियाँ किसी भी शब्द के प्रारंभ में नहीं आती हैं।

आगत ध्वनि (ज, फ़)-

ऑ स्वर की तरह ही 'ज़', और 'फ़' व्यंजनों को भी अरबी-फ़ारसी भाषा के प्रभाव से हिंदी में अपना लिया गया है। वर्णों के नीचे लगने वाली बिंदु को नुक़्ता कहते हैं। इस तरह के शब्दों के उच्चारण में हल्का अंतर आता है। इनके प्रयोग से शब्दों के अर्थ भी बदल जाते हैं,

जैसे - फन- साँप का फन और फ़न (नुक़्ता युक्त) का अर्थ कला या हुनर होता है।

र् व्यंजन की मात्रा

आइए समझें

◇ र के साथ उ एवं ऊ की मात्राएँ।

र्+उ= रु+क——---रुक

र्+ऊ=रू+ठ——-----रूठ

◇ र से बनने वाले संयुक्त व्यंजनों में र् के अलग-अलग रुप होते हैं।

द + र् - दर्द (रेफ़ के रूप में)

क् + र - क्रम (पदेन के रूप में)

ट्+र - ट्रक (पदेन के रूप में)

वर्णमाला

वर्णमाला-वर्णों का निश्चित क्रमबद्ध स्वरूप वर्णमाला कहलाता है।

हम समझ गऐ

- सबसे छोटी स्वतंत्र ध्वनि वर्ण कहलाती है।
- वर्णों के दो प्रकार होते हैं स्वर व व्यंजन।
- स्वर के उच्चारण में किसी अन्य ध्वनि की सहायता नहीं ली जाती।
- व्यंजन के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है।
- संयुक्ताक्षर 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ' व 'श्र' हैं।
- वर्णमाला वर्णों का क्रमबद्ध स्वरूप है।
- अं को अनुस्वार और अः को विसर्ग कहते हैं।

अभ्यास कार्य

1. निम्नलिखित वर्णों से बनने वाले तीन तीन शब्द लिखिए-

(क) क्ष

_____

(ख) त्र

_____

(ग) ज्ञ

_____

2. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए-

अ + स् + त् + अ =

ग् + अ + म् + अ + ल् + आ =

स् + अ + ह् + अ + ज् + अ =

स् + अ + त् + य् + अ =

3. निम्न शब्दों के वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए-

1. चिड़िया=
2. पेड़=
3. नमकीन=
4. मकान=

4. सही (√) या गलत (x) का निशान लगाइए।

क. वर्णमाला में वर्णों को क्रम से लिखा जाता है।( )
ख. स्वर वर्णों के उच्चारण में व्यंजन वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है। ( )
ग. हिंदी भाषा में ग्यारह स्वर हैं। ( )
घ. दो व्यंजनों से मिलकर बनने वाले व्यंजन को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ( )

5. उचित विकल्प चुनकर लिखिए-

क. निश्चित क्रम में लिखे वर्णों के समूह को कहते हैं। (वर्णमाला / भाषा)
ख. भाषा की सबसे छोटी इकाई कहलाती है। (वर्ण / व्याकरण)
ग. किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करना कहलाता है।(वर्ण-विच्छेद / वर्ण)
घ. जिन वर्णों को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, वे कहलाते हैं।(स्वर / व्यंजन)
ङ अतः शब्द में लगा है।(अनुस्वार/ विसर्ग)
च. त्र किन दो व्यंजनों से मिलकर बनता है।(त्+र/ त्र्+र)

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) वर्ण किसे कहते हैं?
(ख) स्वर और व्यंजन से आप क्या समझते हैं?
(ग) संयुक्त व्यंजन कौन-कौन से हैं?
(घ) वर्णमाला किसे कहते हैं?

7. निम्नलिखित शब्दों में 'र' के सही रूप का प्रयोग करके लिखिए-

1. टक-
2. गह-
3. वषा-
4. काय-

रचनात्मक कार्य

1.नीचे दिए हुए शब्दों में अनुस्वार और अनुनासिक की मात्राएं लगाइए-

	मच
	आख
	पखा
	मूछ
	कुआ
	कघा
	झडा

पाठ-3

शब्द और वाक्य
(Words and sentence

बच्चो! जैसा कि आपने पिछले पाठ में पढ़ा कि 'वर्ण' भाषा को सबसे छोटी इकाई है। वर्णों के मेल से ही शब्द बनते हैं। जैसे :

कमल

पेड़

गमला

सूरज

जोकर

बच्चों ऊपर दिए गए चित्रों के नीचे लिखे नाम शब्द है। वर्णों को मिलाकर यह शब्द बने हैं।

क+ म + ल = कमल

प + ए + ड़ = पेड़

ग + म + ल + आ = गमला

स + ऊ + र + ज = सूरज

ज + ओ + क + र = जोकर

अगर इन्हीं वर्णों को पलट दें, दो शब्द बनेगा।

परिभाषा - दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को 'शब्द' कहते हैं

शब्द भेद

अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं-

1. प्रयोग के आधार पर
2. अर्थ के आधार पर

1. **<u>प्रयोग के आधार पर</u>-**प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं।

(क) विकारी शब्द

(ख) अविकारी शब्द

(क) <u>विकारी शब्द</u>- जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल तथा कारक के आधार पर परिवर्तन आ जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। विकारी शब्दों के भी चार भेद होते हैं-

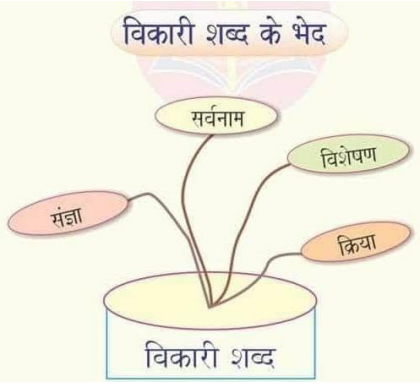

<u>(ख) अविकारी शब्द</u> - जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल तथा कारक के कारण किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता है, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

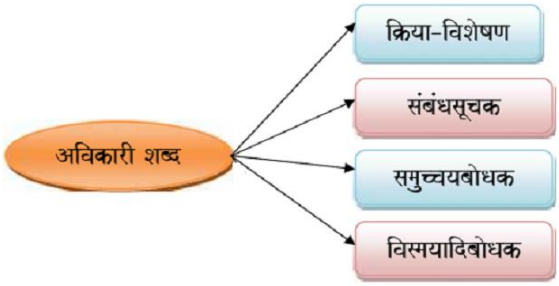

<u>2. अर्थ के आधार पर</u>-अर्थ के आधार पर शब्दों के दो भेद होते हैं।

1. सार्थक शब्द

2. निरर्थक शब्द

1. **<u>सार्थक शब्द</u> -** जिस वर्ण समूह का कुछ अर्थ निकले, उसे 'सार्थक' शब्द कहते हैं; जैसे लड़का, माता, गाड़ी, गमला आदि।

2. **<u>निरर्थक शब्द</u>**- जिस वर्ण समूह का कोई अर्थ नहीं निकलता उसे 'निरर्थक शब्द' कहते हैं; जैसे- काड़ल, ड़ीगा, लागम, तामा, आदि।

का + ड़ + ल = काड़ल

ड़ी + गा = ड़ीगा

ला + ग + म = लागम

ता + मा = तामा

वाक्य

रमा है रही जा।

इन शब्दों को उचित स्थान पर न रखने के कारण ये अर्थ को स्पष्ट नहीं करते। अब इन्हें इस प्रकार देखिए-

रमा जा रही है।

शब्दों को सही स्थान पर लिखने से अर्थ स्पष्ट हो जाता है और यही 'वाक्य' है।

शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।

निम्नलिखित चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़िए और समझिए।

गाय घास खा रही है

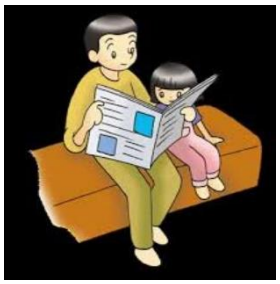

पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।

बच्चे खेल रहे हैं।

उपरोक्त वाक्य को पढ़ने से यह स्पष्ट हो जाता है कि-

(i) सभी वाक्य कुछ शब्दों से मिलकर बने हैं।
(ii) शब्द एक निश्चित क्रम में व्यवस्थित हैं।
(iii) सभी वाक्यों का अर्थ निकल रहा है। इस प्रकार-

सार्थक शब्दों का ऐसा समूह जो किसी भाव या विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता हो, 'वाक्य' कहलाता है।

वाक्य के अंग

1. उद्देश्य
2. विधेय

उद्देश्य- जिसके बारे में कोई बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।

विधेय - उद्देश्य के विषय में जो कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं। जैसे-

घोड़ा दौड़ रहा है।

राहुल खाना खा रहा है।

उपरोक्त वाक्यों में घोड़ा तथा राहुल उद्देश्य हैं तथा दौड़ रहा है और खाना खा रहा है विधेय हैं।

वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

हम समझ गऐ

- वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
- प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद-विकारी और अविकारी शब्द।
- अर्थ के आधार पर शब्द के भेद- सार्थक शब्द और निरर्थक शब्द।
- शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।
- वाक्य के दो अंग हैं- उद्देश्य तथा विधेय।
- जिसके विषय में बात की जाए, वह उद्देश्य है।
- उद्देश्य के विषय में जो कहा जाए, वह विधेय है।

अभ्यास

1. शब्द के सार्थक रूप पर सही का चिह्न लगाइए।

क. लामग	गमला
ख. गाड़ी	ड़ीगा
ग. बोतल	तलबो

2.नीचे दिए गए शब्दों के वर्ण उलट-पुलट गए हैं। इन वर्णों को व्यवस्थित करके अर्थपूर्ण शब्द बनाइए-

1. मगला .....
2. करतबू .....
3. छुकआ .....
4. लामहि .....
5. गीचाब .....
6. द्याविलय .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) शब्द किसे कहते हैं ?

(ख) प्रयोग के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

(ग) सार्थक और निरर्थक शब्दों में क्या अंतर है ?

(घ)वाक्य किसे कहते हैं?

(ड़) किसको जोड़कर वाक्य बनाए जाते हैं?

(च)विधेय किसे कहते हैं?

4.उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

(क) वर्णों के सार्थक मेल से ……..बनते हैं। (शब्द /वाक्य)

(ख) जिन शब्दों का कोई अर्थ होता है, उन्हें ……..शब्द कहते हैंI (शब्द /वाक्य)

(ग) ……..शब्दों में परिवर्तन नहीं होता है।(विकारी शब्द/अविकारी शब्द)

(घ) संज्ञा……..शब्द का भेद है।(अविकारी/विकारी)

5.निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करें।

(क) छोटा : _____

(ख) जल्दी : _____

(ग) सूरज : _____

(घ) बारिश : _____

6. दिए गए वाक्यों के शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाओ -

क. मेरी दुकान है दूध नहीं।……..

ख. पंख मोर हैं के सुंदर होते।……..

ग. जंगल का शेर है होता राजा।……

घ. वह गया है बाज़ार।…….

ङ. थे दादा जी करने सैर गए।……

च. यहाँ है शहर दूर से।……..……

रचनात्मक कार्य-

1.नीचे बने तारामंडल में सार्थक शब्दों के तारों में पीला रंग तथा निरर्थक शब्दों के तारों में गुलाबी रंग भरिए।

पाठ -4

संज्ञा (Noun)

ऊपर दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखो। इसमें ग्रामीण बाज़ार का एक दृश्य दिखाया गया है। बाज़ार में कुछ लोग सामान बेचने तो कुछ सामान खरीदने आए हैं। बेचने के लिए सब्ज़ियाँ, मुरगियाँ, अंडे आदि लाए गए हैं। दो व्यक्ति हँसकर बात कर रहे हैं।

इस चित्र में आए नाम किसी प्राणी, वस्तु, स्थान भाव के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

प्राणी तथा व्यक्ति -मुरगी, आदमी
वस्तु-अंडा, सब्ज़ी, टोकरी
स्थान-बाज़ार
भाव-हँसी

किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं

क्या आप जानते हैं?

जितने भी तरह के नाम हैं, वे सभी संज्ञा शब्द हैं

वस्तुओं के नाम - टोकरी कलम बस्ता कुर्सी

व्यक्तियों के नाम- अंबेडकर पिता बच्चा लड़का

स्थान के नाम - अस्पताल महल मंदिर विधालय

भावों के नाम- दया मित्रता क्रोध बुढ़ापा

किसी भी वस्तु, व्यक्ति, स्थान तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं

संज्ञा के भेद

संज्ञा तीन प्रकार की होती है-

1. व्यक्तिवाचक
2. जातिवाचक
3. भाववाचक

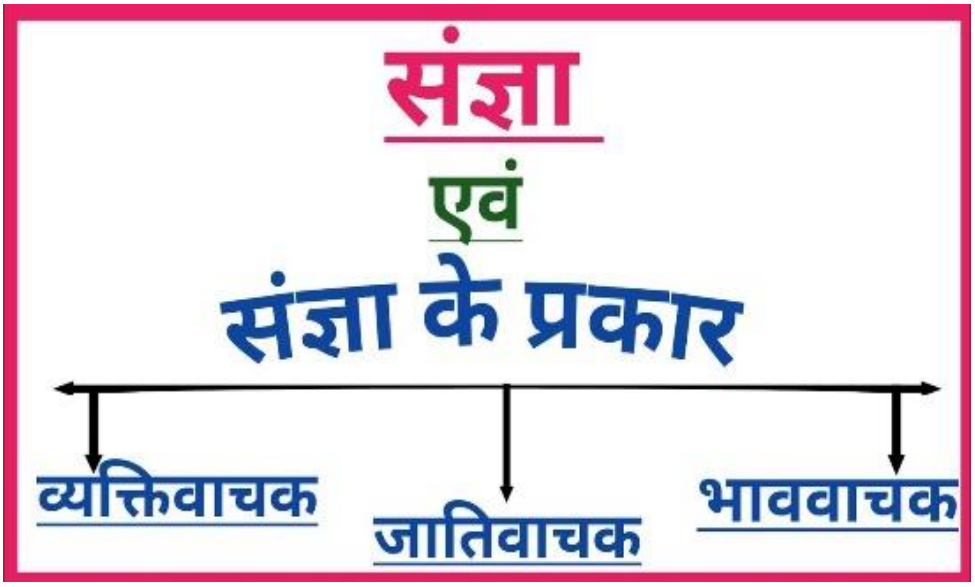

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** - जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण-

गंगा, कावेरी, यमुना आदि । - (नदियों के नाम)

जयपुर, आगरा, दिल्ली आदि। - (नगरों के नाम)

रमेश, कनिका, रजत आदि। - (व्यक्तियों के नाम)

जापान, रूस, चीन आदि। - (देशों के नाम)

सोमवार, मंगलवार, बुधवार आदि। - (दिनों के नाम)

विशेष-व्यक्तिवाचक संज्ञा हमेशा एकवचन में होती है।

2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) - जिस शब्द से संपूर्ण जाति, वर्ग या समुदाय का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- खिलौने, किताब, घड़ी, कार जो आप सभी इस चित्र में देख रहे हैं

3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) किसी गुण, दोष, अवस्था, दशा, भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा महसूस अवश्य किया जा सकता है। जैसे ठंडक, ईमानदारी, खुशी, गुस्सा आदि। कहलाते हैं। इन्हें देखा नहीं जा सकता, किंतु बचपन, गरमी, मिठास, सुंदरता, खुशी, गरीबी,आदि।

नीचे कुछ शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप दिए गए हैं इन्हें ध्यान से पढ़ो-

शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
अपना	अपनापन	खट्टा	खटास
सुंदर	सुंदरता	पड़ोसी	पड़ोस
मीठा	मिठास	ठंडा	ठंडक
थकना	थकावट	बुरा	बुराई
लिखना	लिखावट	दोस्त	दोस्ती
सजाना	सजावट	ऊंचा	ऊंचाई
गरम	गर्मी	अच्छा	अच्छाई
पढ़ना	पढ़ाई	लंबा	लंबाई
बच्चा	बचपन	मोटा	मोटापा
दयालु	दया	जवान	जवानी

दिनो और महिनो के नाम

दिनो के नाम-एक सप्ताह मे 7 दिन होते हैं।

महिनो के नाम- एक वर्ष मे 12 महिने होते हैं।

यह भी जाने - एक साल में 365 दिन होते हैं | तथा प्रत्येक 4 साल बाद फरवरी माह में 29 दिन होते हैं |

त्योहार के नाम -यह तो हम सब जानते हैं कि भारत में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग अपने-अपने त्योहार मनाते हैं।

यहाँ दो तरह के त्योहार मनाए जाते हैं-

1) राष्ट्रीय त्योहार
2) धार्मिक त्योहार

1.) राष्ट्रीय त्योहार - राष्ट्रीय त्योहार या राष्ट्रीय पर्व उस त्योहार या पर्व को कहते हैं जो किसी जाति या धर्म विशेष का नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र का होता है।

राष्ट्रीय त्योहार का नाम	हिन्दी राष्ट्रीय त्योहार की दिनांक
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी
गाँधी जयंती	2 अक्टूबर

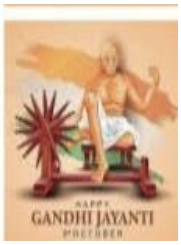

2. धार्मिक त्योहार-भारत में सभी धर्मों के लोग अपना त्योहार एक साथ मिल-जुलकर मनाते हैं चाहें वह हिंदुओं की दिवाली हो, मुस्लमानों की ईद हो, सिक्खों की लोहड़ी हो या फिर ईसाइयों का क्रिसमस हो। ... धार्मिक त्योहारों में होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस आदि शामिल हैं और मौसमी त्योहरों में मकर संक्रांति, लोहड़ी, बैसाखी, पोंगल आदि। जैसे -

दिवाली

क्रिसमस

बैसाखी

लोहड़ी

ओणम

पोंगल

हम समझ गऐ

- किसी प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते है।
- संज्ञा के तीन भेद हैं - (i) व्यक्तिवाचक (ii) जातिवाचक (iii) भाववाचक।
- किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान विशेष का बोध कराने वाले संज्ञा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।
- जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
- गुण-दोष, दशा, भाव, अवस्था आदि का बोध कराने वाले संज्ञा शब्द, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं ।
- 1 साल में 365 दिन होते हैं।
- त्योहार दो प्रकार के होते हैं राष्ट्रीय त्योहार और धार्मिक त्योहार।

अभ्यास कार्य-

1.नीचे दिए वाक्य में संज्ञा शब्दों पर गोला लगाओ-

क. धोबी के पास एक गधा था।

ख. सिमरन ने नाश्ता कर लिया।

ग. हम लोग पृथ्वी पर रहते हैं।

घ. वाराणसी भारत का एक प्रमुख शहर है।

ङ. एकता में बल होता है।

च. मुझे बचपन के दिन बहुत याद आते हैं।

2.नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) संज्ञा किसे कहते हैं?

(ख) संज्ञा के भेद के नाम लिखो।

(ग) भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं ? उदाहरण के माध्यम से समझाइए।

(घ) त्योहार कितने प्रकार के होते हैं ?

(ड़) सप्ताह के दिनों के नाम लिखिए।

(च) महिनो के नाम लिखिए।

3. लिखो-

क. तीन जातिवाचक संज्ञा शब्द……..,...........,..........

ख. तीन व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द…,..............................

ग. तीन भाववाचक संज्ञा शब्द……………………….

3. सही उत्तर वाली विकल्प पर सही का निशान लगाइए-

1. संज्ञा के भेद हैं - (क) चार( ) (ख) तीन( ) (ग) दो( ) (घ) पाँच( )

2. 'कमल' शब्द है-

(क) जातिवाचक संज्ञा ( ) (ख) भाववाचक संज्ञा ( )

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा ( ) (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

3. 'राम ने रावण को मारा।' इस वाक्य में संज्ञा शब्द हैं-

(क) राम ( ) (ख) रावण ( ) (ग) राम व रावण ( ) (घ) मारा ( )

4. कौन-सी संज्ञा सदैव एकवचन में प्रयुक्त होती है ?

(क) जातिवाचक संज्ञा ( ) (ख) भाववाचक संज्ञा ( )

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा ( ) (घ) भाववाचक व व्यक्तिवाच्च ( )

5. भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है-

(क) वीरता ( ) (ख) अकबर ( ) (ग) बालक ( ) (घ) पेड़( )

5.नीचे दिए गए चित्रो को देखकर संज्ञा शब्द लिखिए –

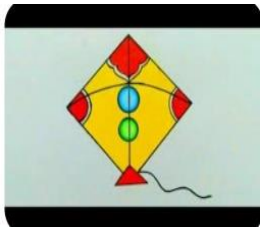

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ- 5

लिंग (Gender)

श्याम पढ़ रहा है ।

राम खाना खा रहा है

घोड़ा दौड़ रहा है।

गाय घास खा रही है।

लड़की हँस रही है।

उपरोक्त वाक्य में घोड़ा, लड़का, बच्चा शब्दों से उनके पुरुष जाति के होने का बोध होता है। तथा गाय और लड़की शब्दों से स्त्री जाति के होने का बोध होता है।

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री-जाति अथवा पुरुष-जाति के होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते हैं।

लिंग के भेद

1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग

हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद होते हैं-पुल्लिंग व स्त्रीलिंग।

1.**पुल्लिंग** - संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष-जाति के होने का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं; जैसे- लड़का, मोर, दादा जी, चूहा आदि।

2 **स्त्रीलिंग**- संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री-जाति के होने का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे- मोरनी, घोड़ी, बहन, नानी आदि।

कुछ शब्दों के पुल्लिंगऔर स्त्रीलिंग रूप जानो-

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
घोड़ा	घोड़ी	लेखक	लेखिका
नाना	नानी	नायक	नायिका
बेटा	बेटी	बालक	बालिका
मुर्गा	मुर्गी	धोबी	धोबिन
शिष्य	शिष्या	पुजारी	पुजारिन
छात्र	छात्रा	पड़ोसी	पड़ोसन
मौसा	मौसी	श्रीमान	श्रीमती
बकरा	बकरी	ससुर	सास
पुत्र	पुत्री	युवक	युवती

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कुत्ता	कुतिया
माली	मालिन
हिरन	हिरनी
ऊँट	ऊँटनी
शेर	शेरनी
देवर	देवरानी
बूढ़ा	बुढ़िया
शिक्षक	शिक्षिका
बंदर	बंदरिया

विशेष -

(क) कुछ शब्द सदा पुल्लिंग में ही प्रयोग किए जाते हैं; जैसे-पर्वतों, सागरों, देशों, ग्रहों, महीनों दिनों व वृक्षों के नाम।

(ख) कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग में ही प्रयोग किए जाते हैं; जैसे-नदियों, लिपियों, भाषाओं, तिथियों आदि के नाम।

(ग) कुछ शब्द स्त्रीलिंग व पुल्लिंग दोनों रूपों में ही समान रूप से प्रयोग में लाए जाते हैं. जैसे-मंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, डॉक्टर आदि।

(घ) लिंग की पहचान वाक्य के क्रिया शब्दों व विशेषण शब्दों से भी होती है; जैसे

(i) छात्र पढ़ता है।
(ii) छात्रा पढ़ती है।

उपर्युक्त वाक्यों में स्पष्ट है कि 'पढ़ता है' क्रिया के साथ जुड़ा शब्द 'छात्र' पुल्लिंग है तथा पढ़ती है। क्रिया के साथ जुड़ा शब्द 'छात्रा' स्त्रीलिंग है। इसी प्रकार-

(i) चाय मीठी है।
(ii) दूध मीठा है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'मीठी' विशेषण के साथ जुड़ा शब्द 'चाय' स्त्रीलिंग है, जबकि 'मीठा' विशेषण के साथ जुड़ा शब्द 'दूध' पुल्लिंग है।
होते हैं- फूल, सेब, सोना भारत, जापान।

हम समझ गए-

- शब्द का रूप जिससे उसके पुरुष जाति या स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
- लिंग के दो भेद होते हैं - पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।
- जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराएँ, वे शब्द स्त्रीलिंग तथा जो पुरुष जाति का बोध कराएँ, वे शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं।
- कुछ शब्द सदैव पुल्लिंग तथा कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग होते हैं।
- लिंग की पहचान क्रिया शब्दों से तथा विशेषण शब्दों से भी होती है।
- कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनके प्रयोग से ही लिंग का पता चलता है।

अभ्यास कार्य-

1. इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग बताओ

क. नौकर सब्ज़ी लाने गया है।

ख. सूरज उग गया।

ग. कुरसी नई है।

घ. चुहिया अपने बिल में जा छिपी।

ङ. गाय मीठा दूध देती है।

च. सोना महँगा है।

2. नीचे दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखो

(क) छात्र.........................

(ग) माली.............................

(ख) शेर..........................

(घ) श्रीमान..........................

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) लिंग कितने प्रकार के होते हैं उनके नाम लिखिए।

(ग) पुल्लिंग किसे कहते हैं?

(घ) स्त्रीलिंग किसे कहते हैं?

रचनात्मक कार्य-

चित्रों को ध्यानपूर्वक देखें और उनके नीचे लिखे कि वह पुल्लिंग है या स्त्रीलिंग-

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

पाठ-6

वचन(Number)

निम्नलिखित चित्रों के नीचे लिखे शब्दों को पढ़कर उनमें अंतर जानने का प्रयत्न कीजिए-

गुब्बारा

गुब्बारे

पुस्तक

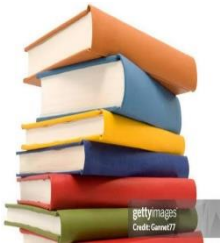
पुस्तकें

उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि जब कोई वस्तु एक से अधिक होती है तो उसके नाम का रूप बदल जाता है और हमें उसके संख्या में एक से अधिक होने का ज्ञान हो जाता है; जैसे- 'गुब्बारा' शब्द उसके संख्या में एक होने का बोध कराता है तथा 'गुब्बारे' शब्द से उसके संख्या में एक से अधिक होने का बोध होता है।

इसी प्रकार एक किताब को 'किताब' तथा एक से अधिक होने पर उन्हें 'किताबें' कहेंगे।

शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद-

वचन दो प्रकार के होते हैं-

1. एकवचन 2. बहुवचन

1. **एकवचन**-शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चले, उसे **एकवचन** कहते हैं। जैसे: किताब, आँख, बगीचा, तितली।

2. बहुवचन-शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चले उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे: किताबें छतरियाँ , गंदें, तितलियाँ।

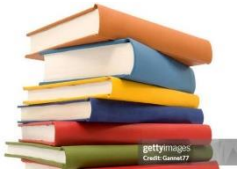

कुछ ध्यान देने योग्य बातें-

◇ वचन बदलने पर संज्ञा और क्रिया का रुप बदल जाता है।

जैसेः चिड़िया उड़ रही है। (एकवचन)
चिड़ियाँ उड़ रही हैं। (बहुवचन)

यहाँ वचन बदलने से चिड़िया का चिड़ियाँ हो गया है।

◇ कुछ शब्द सदैव एकवचन में प्रयोग किए जाते हैं।

जैसे: जनता, आकाश, वर्षा, ईश्वर, दूध।
कुछ शब्द जब वाक्यों में प्रयोग किए जाते हैं तब क्रिया का रूप बदल जाता है।
जैसे: पक्षी उड़ रहा है। (एकवचन)
पक्षी उड़ रहे हैं। (बहुवचन)

◇ आदर देते समय भी हम एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग करते हैं।

जैसे: ताजी अभी आए हैं।
कुछ शब्द सदैव बहुवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।
जैसेः प्राण, दर्शन, हस्ताक्षर, आँसू ।

वचन परिवर्तन

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मेला	मेले	तस्वीर	तस्वीरें	अध्यापिका	अध्यापिकाएँ
कौआ	कौए	पुस्तक	पुस्तकें	छात्रा	छात्राएँ
घड़ा	घड़े	वधू	वधुएँ	लता	लताएँ
घोड़ा	घोड़े	बोली	बोलियाँ	सेना	सेनाएँ
केला	केले	पतंग	पतंगें	महिला	महिलाएँ
तिनका	तिनके	माला	मालाएँ	बुढ़िया	बुढ़ियाँ
रुपया	रुपये	रोटी	रोटियाँ	चिड़िया	चिड़ियाँ
बेटा	बेटे	राखी	राखियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ
गुब्बारा	गुब्बारे	थाली	थालियाँ	चुहिया	चुहियाँ
बगीचा	बगीचे	साड़ी	साड़ियाँ	टहनी	टहनियाँ
नाव	नावें	बच्चा	बच्चे		

1 से 100 तक हिंदी में गिनती-

1	एक	21	इक्कीस	41	इकतालीस	61	इकसठ	81	इक्यासी
2	दो	22	बाइस	42	बयालीस	62	बासठ	82	बयासी
3	तीन	23	तेइस	43	तैतालीस	63	तिरसठ	83	तिरासी
4	चार	24	चौबीस	44	चवालीस	64	चौंसठ	84	चौरासी
5	पांच	25	पच्चीस	45	पैंतालीस	65	पैंसठ	85	पचासी
6	छह	26	छब्बीस	46	छियालिस	66	छियासठ	86	छियासी
7	सात	27	सत्ताइस	47	सैंतालीस	67	सड़सठ	87	सतासी
8	आठ	28	अट्ठाइस	48	अड़तालीस	68	अड़सठ	88	अट्ठासी
9	नौ	29	उनतीस	49	उनचास	69	उनहत्तर	89	नवासी
10	दस	30	तीस	50	पचास	70	सत्तर	90	नब्बे
11	ग्यारह	31	इकतीस	51	इक्यावन	71	इकहत्तर	91	इक्यानवे
12	बारह	32	बत्तीस	52	बावन	72	बहत्तर	92	बानवे
13	तेरह	33	तैंतीस	53	तिरपन	73	तिहत्तर	93	तिरानवे
14	चौदह	34	चौंतीस	54	चौवन	74	चौहत्तर	94	चौरानवे
15	पंद्रह	35	पैंतीस	55	पचपन	75	पचहत्तर	95	पंचानवे
16	सोलह	36	छत्तीस	56	छप्पन	76	छिहत्तर	96	छियानवे
17	सत्रह	37	सैंतीस	57	सत्तावन	77	सतहत्तर	97	सत्तानवे
18	अठारह	38	अड़तीस	58	अट्ठावन	78	अठहत्तर	98	अट्ठानवे
19	उन्नीस	39	उनतालीस	59	उनसठ	79	उन्नासी	99	निन्यानवे
20	बीस	40	चालीस	60	साठ	80	अस्सी	100	सौ

आइए, देखें हमने क्या सीखा -

जिन शब्दों से वस्तु या व्यक्ति के एक या अनेक होने का बोध हो उसे वचन कहते हैं।

- हिंदी भाषा में वचन के दो भेद हैं-1.एकवचन2. बहुवचन
- कुछ शब्द सदैव एकवचन होते हैं। जैसे: जनता, वर्षा, आकाश, ईश्वर।
- कुछ शब्द सदैव बहुवचन होते हैं। जैसे: होश, आँसू, दर्शन, प्राण।
- आदर देने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

अभ्यास कार्य-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) वचन किसे कहते हैं?

(ख) वचन कितने प्रकार के होते हैं?

2. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य को पुनः लिखिए।

(क) छात्रा पढ़ रही है।.....

(ख) बच्चे खेल रहे हैं।.....,.....

(ग) लड़का शैतानी कर रहा है।.....

(घ) क्यारी में फूल खिला है।.....

(ङ) तारा निकल आया।.....

3.सही उत्तर वाले विकल्प पर सही का निशान लगाइए-

1. हिंदी में वचन होते हैं-

(क) दो (ख) तीन ग) चार (घ) एक

2.सदैव एकवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द है-

(क) बच्चा (ख) पानी (ग) बहन (घ) भाई

3. 'खिड़की' शब्द का बहुवचन रूप है-

(क) खिड़किएँ (ख) खिड़कीयाँ (ग) खिड़कीं (घ) खिड़कियाँ

4. हमेशा बहुवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द है-

(क) दवा (ख) हस्ताक्षर (ग) घड़ी (घ) कमीज़

4.कोष्ठक में दिए गए शब्दों के द्वारा रिक्त स्थान में उचित वचन भरिए-

(क) बाग में जगह-जगह .....चल रहे हैं। (फ़व्वारा/फ़व्वारे)

(ख) पतझड़ में पेड़ों की..... झड़ने लगी। (पत्ती/पत्तियाँ)

(ग) नानी .....सुना रही थी। (कहानी/कहानियाँ)

(घ) माता जी ने..... खरीदीं। (सब्ज़ी/सब्जियाँ)

(ङ) मेरे बस्ते में दो..... हैं। (पेंसिल/पेंसिलें)

5. नीचे दिए अंको को शब्दों में लिखिए-

25……..	6……..	88…….	32……
95……..	11……	24……..	63…….
15…….	75……..	54……	22……

6. निम्नलिखित शब्दों को अंको में लिखिए-

दस……	तेइस……..	बीस…….	तीस……..
बारह…..	उन्तीस ……	साठ…..	पचपन…..
तेरह……	सत्तर …….		

समझ का खेल

दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए यहाँ कुछ प्राणियों वस्तुओं के एकवचन और बहुवचन रूप है उन्हें पहचान कर सहित तालिका में लिखिए-

एकवचन	बहुवचन
……	……
……	……
……	……
……	……

पाठ-7

सर्वनाम(Pronoun)

आज अंकिता, अंकिता के माता-पिता के साथ मेला देखने गई। मेले में अंकिता ने तरह-तरह की चीजें देखीं। अंकिता ने कठपुतली का नाच भी देखा। कठपुतली का नाच देखकर अंकिता बहुत खुश हुई। मेले में अंकिता को रमेश मिला। रमेश अंकिता की कक्षा में पढ़ता है।

अब इसी अनुच्छेद को दोबारा पढ़ो।

आज अंकिता अपने माता-पिता के साथ मेला देखने गई। मेले में उसने तरह-तरह की चीजें देखीं। उसने कठपुतली का नाच भी देखा। कठपुतली का नाच देखकर वह बहुत खुश हुई। मेले में उसे रमेश मिला। वह उसकी कक्षा में पढ़ता है।

अंकिता और रमेश के नाम के स्थान पर अपने, उसने, वह, उसे, उसकी शब्द आए हैं। ये सभी सर्वनाम हैं। सर्वनाम के प्रयोग से भाषा सहज और सुंदर लगती है।

संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

बार-बार संज्ञा शब्द का प्रयोग न करके वाक्य को सरल बनाने के लिए सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है। इससे हमें लिखी या कही गई बात समझने में भी सरलता होती है। कुछ सर्वनाम शब्द- मैं, हम, तू, तुम, वह, यह, आप, कौन, कोई, जो, जिसने, उसने, हमें, मुझे आदि।

अन्य सर्वनाम शब्द-

मैं, हम, तुम, आप,

उसे, उसने, उससे, उन्होंने, यह, वह, इसने, जिसने,

कोई, कौन, क्या,

तुम्हारा, आपका, तुम्हें, तुझे, तुझसे,

उनका, उनकी, मेरा, मेरे, मुझे,

तुझमें, आपमें, हममें, मैंने, हमने

सर्वनाम के भेद

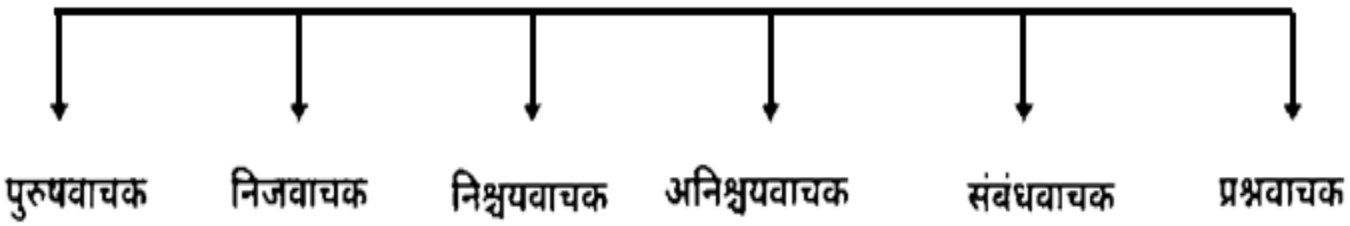

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal** Pronoun)- बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग में आने वाले सर्वनाम **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे – मैं, हम, मुझे, तुम, तुम्हारा, आप, वह, वे, उसे, उनका इत्यादि।

मैं कल मिलूँगा।

तुम्हारा नाम क्या है?

वे कहाँ है ?

2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Definite Pronoun) - जिस सर्वनाम से किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में निश्चित रूप से जानकारी मिले, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे – यह, वह, इस, उस इत्यादि।

यह मेरी पुस्तक है।

उस पार्क में चलो।

3.अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun) – जिस सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति की जानकारी न मिले, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे -कोई, कुछ इत्यादि।

घर पर कोई नहीं है।

मुझे कुछ खरीदना है।

4.प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)-जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- कहाँ, कौन, क्या, किसने इत्यादि।

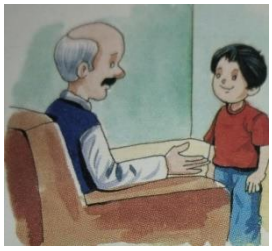

क्या कर रहे थे ?

आप कहाँ चले गए थे?

कौन आया था?

5.संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun) - वाक्य में संबंध बताने वाले सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे – जो, जिसे इत्यादि।

जो मेहनत करता है, वह सफल होता है।

जिसे केवल अपने से मतलब हो वह मनुष्य नहीं है।

यहाँ जो और जिसे शब्दों का संबंध 'वह ' से है, अतः यह संबंधवाचक सर्वनाम हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम(Reflection pronoun)-जो सर्वनाम शब्द काम करने वाला अपने लिए प्रयोग करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे- खुद, अपने-आप, स्वयं आदि।

तुम्हें अपना काम स्वयं करना चाहिए।

दादी मां मैं रोज खुद फल तोड़कर लाता हूँ ।

हम समझ गए-

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते

2. सर्वनाम के छह भेद हैं।

क. पुरुषवाचक सर्वनाम	ख .निश्चयवाचक सर्वनाम
ग. अनिश्चयवाचक सर्वनाम	घ . प्रश्नवाचक सर्वनाम
ङ. संबंधवाचक सर्वनाम	च . निजवाचक सर्वनाम

3. सर्वनाम एकवचन तथा बहुवचन में अलग-अलग होते हैं।

अभ्यास कार्य-

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. सर्वनाम किसे कहते हैं?

ख. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखिए।

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) निम्न शब्दों में से कौन-सा सर्वनाम नहीं है-

(i) वह (ii) महल (iii) उन्होंने (iv) उसने

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम का सही भेद क्या है-

(i) क्या (ii) कौन (iii) उसने (iv) जो

(ग) "मैंने पुस्तक पढ़ना शुरू कर दिया है" इसमें सर्वनाम शब्द बताइए-

(i) पुस्तक (ii) शुरू (iii) पढ़ना (iv) मैंने

3.नीचे दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्द के नीचे रेखा खींचो -

क. महात्मा गाँधी हमारे राष्ट्रपिता हैं।

ख. यह कार मेरी नहीं है।

ग. कोई आ रहा है।

घ. कौन आया था ?

ङ. लगता है तुमने लड़के को पहचाना नहीं।

च. आज किसकी बारी है ?

छ. उनका नाम इतिहास में अमर है।

पाठ-8

विशेषण(Adjective)

यह एक विशाल पेड़ है। इस पर अनेक चिड़ियाँ बैठी हैं। वे मधुर स्वर में गा रही हैं। पास में एक गहरी नदी है। नदी में ठंडा पानी है। नदी के आस-पास हरी घास है। घास में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। ऊपर नीला आसमान है। उपर्युक्त वाक्यों के रंगीन शब्द अपने साथ आए संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बता रहे हैं। वे संज्ञा से संबंधित 'कैसे', 'कितने' आदि प्रश्नों के उत्तर दे रहे हैं; जैसे-

पेड़ कैसा है ? 'विशाल'

चिड़ियाँ कितनी हैं ? 'अनेक'

स्वर कैसा है ? 'मधुर'

नदी कैसी है ? 'गहरी'

पानी कैसा है ? 'ठंडा'

घास कैसी है ? 'हरी'

फूल कैसे हैं ? 'रंग-बिरंगे'

आसमान कैसा है ? 'नीला'

बच्चो ! संज्ञा के साथ कैसा, कैसी, कितनी, कितना लगाकर प्रश्न पूछने में जो उत्तर मिलते हैं, वे विशेषण होते हैं। उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे सभी शब्द विशेषण हैं।

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

विशेष्य

जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं;

जैसे - आकाश नीला है। आकाश-विशेष्य, नीला - विशेषण

वे पीले फूल हैं। पीले - विशेषण, फूल-विशेष्य

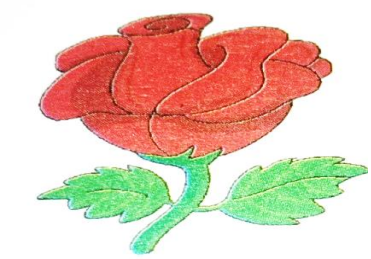

लाल गुलाब।
विशेषण विशेष्य

2 किलो चीनी
विशेषण विशेष्य

बड़ा मकान
विशेषण विशेष्य

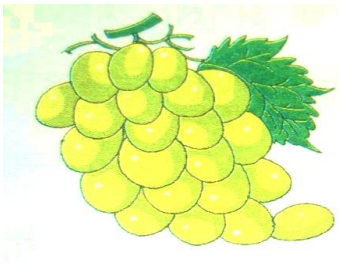

खट्टे अंगूर
विशेषण विशेष्य

लंबा आदमी
विशेषण विशेष्य

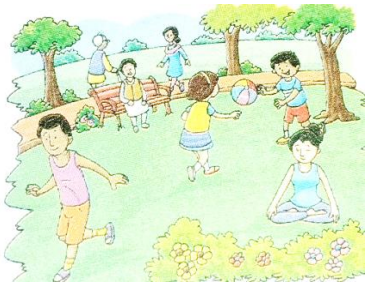

चौड़ा मैदान
विशेषण विशेष्य

विशेषण के भेद-

विशेषण के चार भेद होते हैं-

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

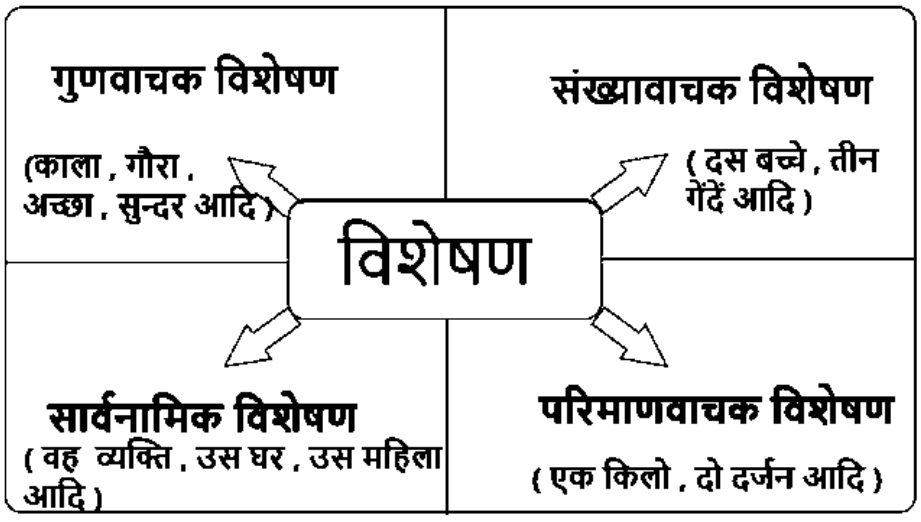

1. गुणवाचक विशेषण (Qualitative Adjective) - संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, रंग-रूप, आकार, दशा, स्थिति आदि के बारे में जानकारी देनेवाले विशेषण गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे – सुंदर, सच्चा, सुगंधित, मिलनसार, मीठा, हरा, काला, मोटा पतला, कड़वा, नया, पुराना आदि।

मोर सुंदर है।

अंगूर खट्टे हैं।

2. संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number) – गिनने योग्य वस्तुओं की संख्या का बोध कराने वाले विशेषण संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे – दो, चार, पाँच, कुछ, प्रत्येक, दसवाँ आदि।

यहां तीन कलमें है।

एक खरगोश

3.परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity) – परिमाण से माप-तौल का बोध होता है। माप-तौल संबंधी विशेषता बतलाने वाले शब्द को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे – तीन लीटर, चार मीटर, थोड़ा, ज़्यादा, पाँच किलो आदि।

टोकरी में ज़्यादा फल रखे हैं।

फ्रॉक 3 मीटर कपड़े की बनी है।

4 सार्वनामिक विशेषण (Demonstrative Adjective) - यदि संज्ञा से पहले आकर कोई सर्वनाम विशेषण का कार्य करे, तो उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे -वह, हमारा, कोई, यह आदि।

वह कमरा खाली है।

हमारा घर यहाँ से दूर है।

हम समझ गए-

- संज्ञा तथा सर्वनाम को विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।
- विशेषण के चार भेद हैं।

  क. गुणवाचक विशेषण
  ख. परिमाणवाचक विशेषण
  ग. संख्यावाचक विशेषण
  घ. सार्वनामिक विशेषण
- जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है उन्हें विशेष्य कहते हैं।

अभ्यास कार्य-

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विशेषण किसे कहते हैं?
(ख) विशेषण के भेदो के नाम लिखिए।
(ग) विशेष्य किसे कहते हैं?

2.निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द उसका भेद लिखिए-

	विशेषण शब्द	भेद
(क) जयपुर गुलाबी नगरी है।	_____	_____
(ख) कुछ बच्चे इधर आ रहे हैं।	_____	_____
(ग) दस किलो गाजर ले आना।	_____	_____
(घ) उस लड़के ने गाना गाया।	_____	_____
(ङ) आलसी व्यक्ति समाज पर बोझ है।	_____	_____

3. उचित शब्द से वाक्य पूरे करो।

(वफ़ादार , फुर्तीला , खट्टा , मीठी , लाल)

क. नीबू होता..... है।
ख. कुत्ता..... जानवर है।
ग. हिरन .....होता है।
घ. मुझे..... गुलाब पसंद है।
ङ. ईख .....होती है।

4. चित्र को ध्यान से देखो और विशेषण शब्द लिखिए-

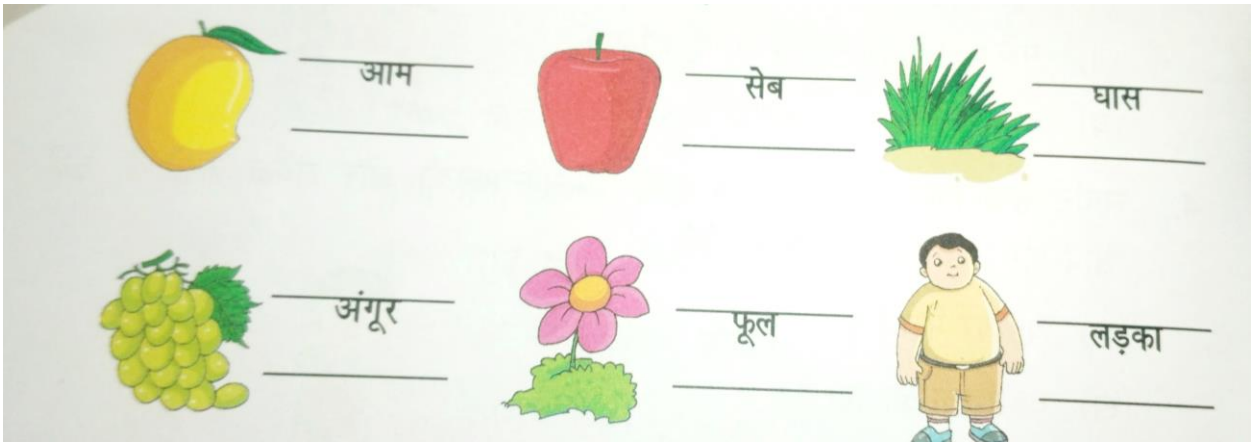

रचनात्मक कार्य-

अपने माता-पिता की चार-चार विशेषताएँ लिखिए-

माता	पिता
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ-9

क्रिया(verb)

दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। वर्षा हो रही है। बच्चे उछल रहे हैं। मेंढ़क कूद रहे हैं। बच्चों को आनंद आ रहा है।

इन वाक्यों में रंगीन शब्दों से किसी काम के करने या उसके होने का पता चलता है।
कुछ अन्य क्रिया शब्द हैं- खाना, पीना, आना, जाना, नहाना, खेलना, हँसना आदि।

कुछ विशेष बातें-

- कुछ काम हम करते हैं, कुछ अपने-आप हो जाते हैं;
  जैसे - माँ रोटी बेल रही है। (क्रिया की जा रही है।)
  रोटी सिक रही है। (क्रिया हो रही है।)
- है, हैं, था, थे शब्द क्रिया के होने की बात बताते हैं;
  जैसे - डिब्बे में मिठाइयाँ हैं।
  आज रविवार है।
- क्रिया कभी एक शब्द की होती है और कभी एक से अधिक शब्दों की होती है;
  जैसे - बच्चों के पास किताबें हैं।(एक शब्द की क्रिया)
  बच्चे पढ़ रहे हैं। (अनेक शब्दों की क्रिया)

कर्ता-काम करने वाले को कर्ता कहते है जैसे –

राधिका पढ़ रही है।

सोनम गाना सुन रही है ।

विनय क्रिकेट खेल रहा है।

राजू सो रहा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में राधिका, सोनम, विनय, राजू कर्ता हैं क्योंकि यह अलग-अलग काम कर रहे हैं।

क्रिया के भेद

क्रिया के मुख्यतः दो भेद होते हैं -

1. सकर्मक क्रिया

2. अकर्मक क्रिया

1. सकर्मक क्रिया-1. सकर्मक क्रिया अर्थात कर्म के साथ क्रिया।

जिन क्रियाओं का कर्म होता है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे-

रवि साइकिल चला रहा है।

रीना गाना गा रही है।

सुरभि बैडमिंटन खेलती है

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'चला रहा है', क्रिया का प्रभाव 'साइकिल' (कर्म) पर और 'खेलती है' क्रिया का प्रभाव 'बैडमिंटन' (कर्म) पर पड़ रहा है, अतः ये सकर्मक क्रियाएँ हैं।

खाना, खेलना, पढ़ना, बनाना, लिखना, बजाना आदि सकर्मक क्रियाएँ हैं।

2 अकर्मक क्रिया-जिस क्रिया के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।

रोहन हँस रहा है।

साहिल सो रहा है।

कुत्ता भौंक रहा है।

ऊपर के वाक्यों में 'हँस रहा है', सो रहा है', 'भौंक रहा है' आदि क्रियाओं का फल कर्ता पर पड़ रहा है, अतः ये अकर्मक क्रियाएँ हैं। इन क्रियाओं के साथ कर्म की आवश्यकता नहीं होती है।

रोना, हँसना, जाना, भौंकना, बैठना, उठना, डरना, चलना आदि अकर्मक क्रियाएँ हैं।
क्रिया पर लिंग और वचन का प्रभाव

क्रिया का रूप लिंग और वचन के अनुसार बदल जाता है। जैसे-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कबूतर उड़ रहा है।	कबूतरी उड़ रही है।
शेर सो रहा है।	शेरनी सो रही है।

एकवचन	बहुवचन
लड़की कूद रही है।	लड़कियाँ कूद रही हैं।
वह घर गया।	वे घर गए।

हम समझ गए-

- जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते
- काम करने वाला कर्ता कहलाता है।
- क्रिया के दो भेद हैं - अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया।
- सकर्मक क्रियाएँ वे होती हैं, जिन्हें कर्म की आवश्यकता होती है।
- अकर्मक क्रियाएँ वे होती हैं, जिन्हें कर्म की आवश्यकता नहीं होती।
- क्रिया पर लिंग और वचन का प्रभाव पड़ता है।

अभ्यास कार्य-

1.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) क्रिया किसे कहते हैं ? यह कितने प्रकार की होती है ?

(ख) सकर्मक व अकर्मक क्रिया में उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

2.निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए-

(क) माता जी खाना बना रही हैं।.....

(ख) अध्यापिका पढ़ा रही है।.....,.....

(ग) राधिका नाच रही है।.....

(घ) लड़का दूध पी रहा है।.....

3. नीचे दिए गए शब्दों में से क्रिया शब्दों को छांटकर दी गई सूची में लिखो-

जाना, गोपाल, हँसना, हलवाई, शिक्षा, चटनी कहना, दौड़ना, खेलना, उसका, मेरा, रोना ,खाना, पुकारना

क्रिया-

....

....

....

....

....

4. कर्ता और क्रिया शब्दों का सही मेल मिलाओ

कर्ता	क्रिया
क. शेर	i. पढ़ रहा है।
ख. मोर	ii. जूते बना रहा है।
ग. मुरगा	iii नाच रहा था।
घ. मोची	iv. दहाड़ता है।
ङ. गौतम	v. बाग दे रहा था।

5.उचित क्रिया शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए-

(वृक्ष , पत्र , गीत , गृह कार्य , कविता , कहानी)

(क) हमें..... सुनाओ।

(ख) आओ .....लगाएँ।

(ग) मैं..... लिख रहा हूँ।

(घ) सुरभि..... करेगी।

(ङ) राज .....गाता है।

(च) तुम..... लिखते हो ?

6.दिए गए चित्रों से संबंधित वाक्य बनाकर उनमें क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए -

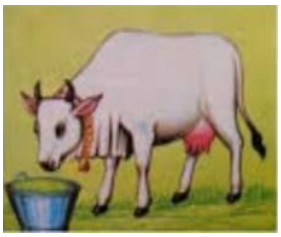

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ-10

काल (Tense)

लड़की पुस्तक पढ़ चुकी है।

लड़की पुस्तक पढ़ रही है।

लड़की पुस्तक पढ़ेगी।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'पढ़ चुकी' 'पढ़ रही है' और 'पढ़ेगी' क्रिया शब्दों से क्रिया के होने वाले समय का पता चल रहा है। 'पढ़ चुकी' क्रिया से उसके बीते समय में होने का पता चलता है। 'पढ़ रही है' क्रिया से उसके वर्तमान समय में होने का पता चलता है। 'पढ़ेगी' क्रिया से उसके आने वाले समय में होने का पता चलता है। असल में क्रिया से यह भी पता चलता है कि काम कब हुआ अर्थात क्रिया होने का समय। इसे ही क्रिया का काल (समय) कहते हैं।

जिस शब्द से कार्य (क्रिया) के होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

काल तीन प्रकार के होते हैं-

1. भूतकाल (Past Tense) (बीता हुआ समय)
2. वर्तमानकाल (Present Tense) (चल रहा समय)
3. भविष्यकाल (Future Tense) (आने वाला समय)

1. **भूत काल (Past Tense)**- बीते हुए समय को भूत काल कहते हैं। अर्थात् क्रिया हो चुकी है। जैसे -

अंकिता पढ़ रही थी।

शेर सो चुका था।

'पढ़ रही थी' और 'सो चुका था' से पता चलता है कि क्रिया घट चुकी है। अत: ये भूत काल के उदाहरण हैं।

भूत काल के कुछ अन्य उदाहरण देखो-

(क.) विक्रम ने खाना खाया।

(ख.) अकरम ने स्नान कर लिया है।

(ग.) वे लोग खेल चुके थे।

(घ.) राघव पत्र लिख रहा था।

2. **वर्तमान काल (Present Tense)** - जो समय अभी चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। अर्थात् क्रिया के जारी रहने का बोध होता है। जैसे-

पंकज पतंग उड़ा रहा है।

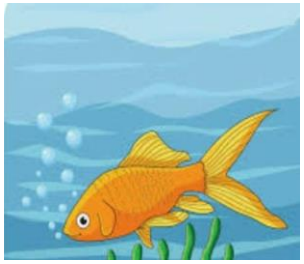

मछली पानी में तैरती है।

'उड़ा रहा है' और 'तैरती है' क्रिया से पता चलता है कि क्रिया अभी हो रही है। अतः ये वर्तमान काल के उदाहरण हैं।

वर्तमान काल के कुछ उदाहरण देखो-

(क)राम पढ़ रहा है।

(ख) गीता गाना गा रही है।

(ग) रामू पतंग उड़ा रहा है।

(घ) पापा बाजार जा रहे हैं।

3. **भविष्यत् काल (Future Tense)** जो क्रिया अभी होगी, वह भविष्यत् काल की क्रिया होती है। जैसे-

कल बाज़ार खुलेगा।

रुचिका गाना गाएगी।

हम समझ गए-

- क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने का समय (काल) पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
- काल के तीन भेद हैं- भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत् काल।
- क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में कार्य के होने का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से कार्य का वर्तमान काल में होना पाया जाता हो, उसे वर्तमान काल कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य भविष्य में होने वाला है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं।

अभ्यास कार्य-

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए-

क. काल किसे कहते हैं?

ख. काल के कितने भेद होते हैं?

ग. वर्तमान काल किसे कहते हैं?

घ. भूतकाल के दो उदाहरण दीजिए।

2.दिए गए वाक्यों को पढ़िए और उनमें प्रयुक्त क्रियाओं के काल लिखिए-

वाक्य	काल
(क) बादल गरज रहे हैं।	……
(ख) राम बहुत पढ़ाई करता है।	…..……
(ग) कल विद्यालय में अवकाश होगा।	……
(घ) मैंने कल एक साँप देखा था।	……
(ङ) राजू ने बाज़ार से खिलौना खरीदा था।	……
(च) कल नेता जी भाषण देंगे।	……
(छ) हाथी गन्ना खाता है।	……
(ज) बंदर पेड़ पर रहता है।	……

3.नीचे लिखे वाक्यों को निर्देशानुसार बदलो

क. हम लोग खेलते हैं। (भविष्यत् काल में)

……

ख. अंकित ने गाना गया। (वर्तमान काल में)

……..

ग. वह जा रहा है।(भूत काल में)

……

घ. रेशमा नाच रही थी। (वर्तमान काल में)

……

पाठ-11

अशुद्धि शोधन (Correct Spelling)

साधारणतया यह देखा गया है कि शब्दों के प्रयोग में कई प्रकार की अशुद्धियाँ पाई जाती हैं। जैसे - 'अ' के स्थान पर 'आ' का प्रयोग। उदाहरण के लिए दवात, बरात आदि में दावात या बारात का प्रयोग करना। 'इ' के स्थान पर 'ई' का प्रयोग करना। जैसे - 'तिथि', 'क्योंकि' आदि की जगह 'तिथी', 'क्योंकि' का प्रयोग।

इसी प्रकार अन्य मात्राओं तथा व्यंजनों के प्रयोग में कुछ सामान्य अशुद्धियाँ पाई जाती हैं। सतर्क रहकर तथा ध्यानपूर्वक प्रयोग करने से इस प्रकार की अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है। कुछ गलतियाँ ऐसी हैं जो छात्र साधारण रूप से करते हैं।

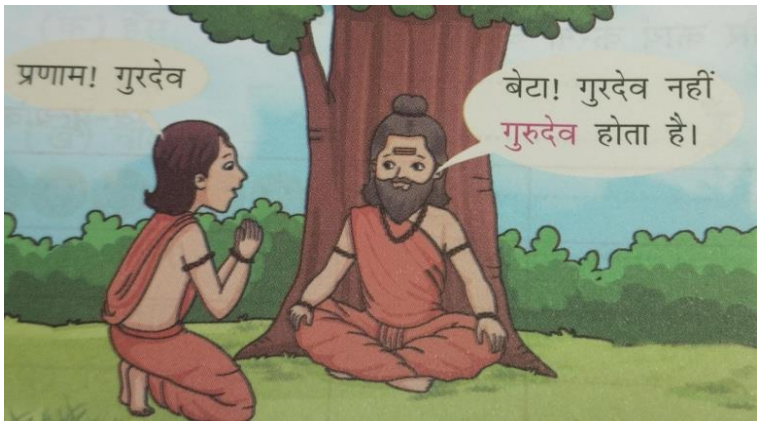

यहाँ गुरु-शिष्य के संवाद में शिष्य ने गुरदेव शब्द का उच्चारण किया। ऋषि ने 'गुरुदेव' शब्द ठीक से प्रयोग करने के लिए कहा है।

वास्तव में हम गलतियाँ दो तरह से करते हैं।–

1. **शब्दों में** 2. **वाक्य में**

कुछ अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप इस प्रकार है

1. शब्दों की अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
आर्शीवाद	आशीर्वाद
इसीलिए	इसलिए
दिवार	दीवार
श्रीमति	श्रीमती
स्वस्थ्य	स्वास्थ्य
क्योंकी	क्योंकि

अशुद्ध	शुद्ध
दुरगुण	दुर्गुण
प्रिथ्वी	पृथ्वी
दुशमन	दुश्मन
गुरू	गुरु
रिण	ऋण
पताल	पाताल

करतव्य	कर्तव्य
परीश्रम	परिश्रम
झूट	झूठ
भाषाऐं	भाषाएँ
पुज्य	पूज्य
ऐसा	ऐसा
गनित	गणित
सुई	सूई
लडकी	लड़की
प्रसंशा	प्रशंसा

स्त्रोत	स्रोत
अतयंत	अत्यंत
परिक्षा	परीक्षा
क्रपा	कृपा
प्रतिक्षा	प्रतीक्षा
वायू	वायु
ग्रामीन	ग्रामीण
पुरूस्कार	पुरस्कार
प्रीय	प्रिय
निशचित	निश्चित

2. वाक्य की अशुद्धियां

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मैं दर्शन लेने आया था।	मैं दर्शन करने आया था।
अनेकों कबूतर पेड़ पर बैठे हैं।	अनेक कबूतर पेड़ पर बैठे हैं।
रमेश घर नहीं है।	रमेश घर पर नहीं है।
मेरे को तुम्हारे से बात नहीं करनी।	मुझे तुमसे बात नहीं करनी।
तेरे को किसने पूछा?	तुमसे किसने पूछा?
हम अभी खाना खाए हैं।	हमने अभी-अभी खाना खाया है।
मैं कपड़ा पहन रहा हूँ।	मैं कपड़े पहन रहा हूँ।
चारों लड़कों की जेब देखो।	चारों लड़कों की जेबें देखो।
सुरेश पाँचवें कक्षा में पढ़ता है।	सुरेश पाँचवीं कक्षा में पढ़ता है।
पेड़ पर से पत्ते गिर रहे है।	पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं।
रवि को गरम करके खाना दो।	रवि को खाना गरम करके दो।
सैनिकों को आज्ञा दिया गया।	सैनिकों को आज्ञा दी गई।

हमने सीखा-

- शुद्ध उच्चारण के लिए शुद्ध वर्तनी का होना आवश्यक है।
- भाषा में शुद्ध वाक्य रचना शुद्ध लेखन के लिए वाक्य आवश्यक है।

अभ्यास कार्य-

1. नीचे दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
(क) अतीथी	.....	(ख) श्रीमति	.....
(ग) इसीलिए	.....	(घ) करतव्य	.....
(ङ) वधु	.....	(च) बरात	.....
(छ) वायू	.....	(ज) दिवार	.....
(झ) स्वस्थ्य	.....	(ञ) बिमार	.....

2.कोष्ठक से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो-

क.) पानी में..... है। (मेंढक / मेढक)
ख.) .....मत बोलो। (झुट / झूठ)
ग.) .....में अनेक प्राणी रहते हैं। (सनसार / संसार)
घ.) शिकारी ने हिरण को.....से घायल कर दिया। (बाण / वाण)
ङ.) .....ही धन है। (स्वास्थ्य / स्वास्थ)
च.) .....अब तक घर नहीं लौटा है। (स्याम / श्याम)

3. दिए गए वाक्यों संबंधी अशुद्धियों को दूर करके वाक्य पुनः लिखिए-

क. मैं तेरेको घर छोड़ दूँगा।

.....

ख. किताब लाने के लिए कौन भेजा है?

.....

ग. राहुल साइकिल चला रही है।

.....

घ. मेरा परीक्षा आने वाली है।

.....

ङ. पापा ने दो दर्जन संतरा खरीदा।

.....

पाठ-12
विरामचिन्ह (Punctuation)

भागो मत रुको। इस वाक्य को पढ़कर आपको क्या समझ में आया? कुछ नहीं न। लड़के को भागना है या रुकना है..... पता ही नहीं चल रहा।
यदि हम कहें- भागो मत, रुको।

अर्थात् भागो मत, थोड़ा रुको। यह बात हमें वाक्य में प्रयुक्त रंगीन चिहन के कारण समझ में आई कि लड़के को रुकने के लिए कहा जा रहा है। इस प्रकार अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए वाक्यों में कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं। 'विराम' शब्द का अर्थ है, रुकना।

भावों को स्पष्ट करने के लिए वाक्य के मध्य या अंत में रुकने का संकेत देने वाले चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।

कुछ प्रमुख विराम चिन्ह निम्नलिखित हैं-

1. **पूर्ण विराम (।) (Full Stop)** - इसका प्रयोग सामान्य रूप से वाक्य के अंत में करते हैं। जैसे-
   क) आज रविवार है।
   ख) मैं कल चिड़ियाघर की सैर पर गया था।

2. **अल्प विराम (,) (Comma)** - वाक्य के बीच में जहाँ कुछ देर के लिए रुकते हैं, वहाँ अल्प विराम का प्रयोग करते हैं। जैसे -
   (क) सुनील, रोहित और सीमा मेला देखने गए।
   (ख) चलिए पिता जी, देर हो रही है।

3. **प्रश्न-चिह्न (?) (Mark of Interrogation)** - इस चिह्न को प्रश्नसूचक वाक्यों के अंत में लगाते हैं। जैसे -
   (क) कौन आया था ?
   (ख) क्या तुमने गृहकार्य पूरा कर लिया ?

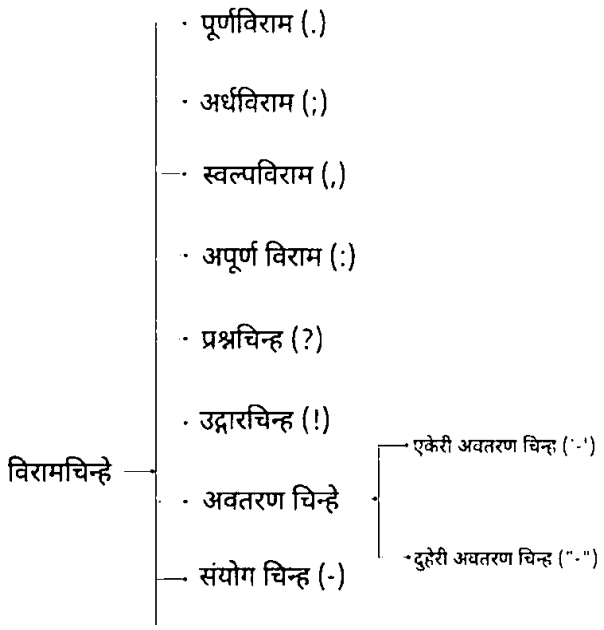

4. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) (Mark of Exclamation) – इस चिह्न का प्रयोग खुशी, शोक, घृणा, आश्चर्य आदि का भाव प्रकट करने के लिए करते हैं।

जैसे – (क) शाबाश ! तुमने बहुत अच्छा काम किया।
(ख) अरे! यह क्या हो गया ?
(ग) हाय! मेरी गेंद खो गई।

5. उद्धरण चिह्न (" ") (Inverted Comma) - इस चिह्न का प्रयोग किसी की बात को ज्यों-का-त्यों कहने के लिए किया जाता है।

जैसे - (क) अध्यापक ने कहा, "कल विद्यालय बंद रहेगा।"
(ख) नेहरू जी ने कहा था, "बच्चे बड़े भोले होते हैं।"

6.योजक चिह्न (-) (Hyphen) - इसका प्रयोग जोड़ने के लिए होता है।

जैसे - (क) बुरा-भला
(ख) रात-दिन
(ग) धीरे-धीरे
(घ) घर-घर आदि।

हम समझ गए

- बोलने अथवा लिखने में अपनी बात का आशय स्पष्ट करने के लिए रुकना पड़ता है, इस रुकावट को विराम कहते हैं।
- लिखते समय इस विराम को व्यक्त करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।
- विराम-चिह्नों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए।

अभ्यास कार्य-

1.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) विराम किसे कहते हैं?

(ख) किन्ही पाँच विराम चिन्हों के नाम बताइए।

(ग) पूर्ण विराम कब लगाया जाता है?

(घ) योजक चिन्हों का प्रयोग किस लिए होता है?

2. दिए गए चिह्नों के उनके सही नाम से मिलान कीजिए-

(क)	!	(i) योजक चिह्न
(ख)	–	(ii) विस्मयादिबोधक
(ग)	’	(iii) प्रश्नवाचक
(घ)	?	(iv) पूर्णविराम
(ड़)	।	(v) अल्पविराम

3. सही विराम चिन्ह का नाम लिखकर वाक्य पूरा करे-

क.) प्रश्न पूछने पर …….चिह्न लगाते हैं।

ख.) थोड़ी देर रुकने के लिए…… लगाते हैं।

ग.) दो शब्दों को जोड़ने के लिए ……चिह्न लगाते हैं।

घ.) हर्ष, शोक और घृणा के भावों को प्रकट करने के लिए ……,.....लगाते हैं।

ङ.) वाक्य पूरा होने पर …….लगाते हैं।

4.नीचे दिए गए वाक्यों में सही विराम-चिह्न लगाओ –

क.) आज का दिन बहुत अच्छा है

ख.) रवि गीता और हिमांशु उद्यान में हैं

ग.) वाह कितना सुंदर दृश्य है

घ.) क्या आप मेरे बारे में जानते हैं

ङ.) रेशमा बोली मैंने ताजमहल देखा है

च.) दोनों अपने अपने घर चले गए

छ.) तुम्हारी कक्षा में कितने बच्चे हैं

ज.) मोहन इधर आओ

पाठ-13

विलोम शब्द (Antonyms)

एक दूसरे का उल्टा अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं, इन्हें विपरीत अर्थ वाले शब्द अथवा विरोधी शब्द भी कहा जाता है। जैसे-

कुछ विलोम शब्द प्रकार है-

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अपना	पराया	नर	नारी
राजा	रानी	बहादुर	डरपोक
स्वतंत्र	परतंत्र	विद्वान	मूर्ख
धूप	छाया	ऊँचा	नीचा
विशाल	लघु	सुख	दुख
मांसाहारी	शाकाहारी	स्वामी	सेवक
सफल	असफल	कोमल	कठोर
हिंसा	अहिंसा	अवगुण	गुण
चुस्त	सुस्त	पाप	पुण्य
शुभ	अशुभ	लाभ	हानि
कोमल	कठोर	संभव	असंभव

प्राचीन	नवीन	सुगंध	दुर्गंध
निंदा	स्तुति	आस्तिक	नास्तिक
धरती	आकाश	गुण	दोष
दोस्त	दुश्मन	जीवन	मरण
सरल	कठिन	इष्ट	अनिष्ट
चतुर	मूर्ख	आकाश	पाताल
मौखिक	लिखित	आशा	निराशा
सजीव	निर्जीव	अर्थ	अनर्थ
शांत	अशांत	आरंभ	अंत
जीवन	मरण	खट्टा	मीठा
साधारण	असाधारण	उदय	अस्त
हर्ष	शोक	अंधकार	प्रकाश
जय	पराजय	ज्ञान	अज्ञान
प्राचीन	नवीन	आय	व्यय
जड़	चेतन	आदर	अनादर
अनुकूल	प्रतिकूल	वीर	कायर
स्वस्थ	अस्वस्थ	शांति	अशांति

अभ्यास कार्य-

1. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए-

1. विलोम शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

2. नीचे दिए गए शब्दों को उनके विलोम शब्द से मिलाइए-

क. धरती	अनादर
ख. खट्टा	दुख
ग. जीवन	भारी
घ. हल्का	मृत्यु
ङ. आदर	मीठा
च. खुशी	आसमान

3. सही कथन पर (√) तथा गलत कथन पर (x) पर सही का निशान लगाइए -

(क) 'मित्र' का विलोम 'शत्रु' है। ( )
(ख) 'राजा' का विलोम 'नारी' है। ( )
(ग) 'सुगम' का विलोम 'दुर्गम' है।( )
(घ) 'आस्तिक' का विलोम 'स्वार्थी' है।( )
(ङ) 'मूर्ख' का विलोम 'बुद्धिहीन' है।( )
(च) 'लाभ' का विलोम 'हानि' है।( )
(छ) 'पाप' का विलोम 'धर्म' है।( )
(ज) 'निराशा' का विलोम 'आशा' है।( )

4.विपरीत अर्थ लिखिए।

1. सत्य .....
2. शुभ.....
3. गुण .....
4. जीवन .....
5. सुगंध .....
6. ज्ञान .....
7. स्वस्थ .....
8. अपना.....

पाठ- 14
पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

कोई माता को मम्मी, कोई माँ, कोई अम्मी तो कोई अम्मा कहता है। माता के लिए प्रयोग किए जाने वाले ये शब्द अलग-अलग हैं किंतु इनका अर्थ एक ही है।

चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों को पढ़कर समझिए –

फूल बड़े सुंदर होते हैं।
पुष्प बहुत खूबसूरत होते हैं।

पहाड़ों पर ऊँचे-ऊँचे पेड़ होते हैं।
पर्वतों पर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष होते हैं।

ऊपर लिखे वाक्यों में रंगीन शब्द, जैसे- पहाड़-पर्वत, पेड़-वृक्ष, फूल-पुष्प तथा सुंदर-खूबसूरत एक-दूसरे से भिन्न हैं, परंतु इनके अर्थ समान हैं। ऐसे ही शब्दों को 'समानार्थी' या 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

परिभाषा - ऐसे शब्द जो भिन्न-भिन्न होते हुए भी समान अर्थ देते हैं, 'पर्यायवाची' या 'समानार्थी शब्द' कहलाते हैं।

पर्यायवाची शब्द –

1. कपड़ा - चीर, वसन, पट
2. लड़का– बालक, शिशु, सुत
3. पक्षी– पंछी, खग, विहग
4. पानी – नीर, जल, सलिल
5. पुस्तक – किताब, ग्रंथ, पोथी
6. फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम
7. चांदी – रजत, रूपा, रूपक
8. मेहमान–अभ्यागत, पाहूना, अतिथि
9. हस्त–हाथ, कर, पाणि
10. कोयल–कोकिला, पिक, काकपाली
11. घर–गृह, आलय, भवन
21. तालाब – सर, सरोवर, जलाशय
22. चाँद – चंद्रमा, शशि, राकेश
23. शत्रु – रिपु, दुश्मन, बैरी
24. इंद्र – सुरेश, सुरेंद्र, देवेंद्र
25. ईश्वर – प्रभु, ईश, जगदीश
26. गुरु – आचार्य, शिक्षक, अध्यापक
27. उजाला – प्रकाश, रोशनी, चाँदनी
28. धरती – पृथ्वी, ज़मीन, भूमि
29. हाथी – गज, हस्ति, कुंजर
30. वृक्ष – पेड़, विटप, तरु
31. चाँद – चंद्र, शशि सोम

12. किनारा–तट, तीर, कूल
13. आँख– नेत्र, नयन, लोचन
14. अमृत–सुधा, सोम, मधु
15. अर्थ–दौलत, वित्त, पैसा
16. सिंह–केसरी, शेर, वनराज
17. संसार–जग, जगत, विश्व
18. आग–अग्नि, पावक, अनल
19. आनंद–हर्ष, सुख, आमोद
20. आश्रम–कुटी, विहार, मठ

32. पर्वत – नग, अचल, भूधर
33. घर – गृह, सदन, भवन
34. बगीचा – बाग, उपवन, वाटिका
35. तालाब – सर, जलाशय, सरोवर
36. गाय – गऊ, गौ, गो
37. पक्षी – पंछी, विहग, खग
38. दास – नौकर, चाकर, सेवक
39. पवन – अनिल, वायु, समीर
40. उजाला – प्रकाश, रोशनी, चाँदनी

हम समझ गए

समान अर्थ का बोध कराने वाले शब्दों को पर्यायवाची / समानार्थी शब्द कहते हैं ।

अभ्यास कार्य-

1. दिए गए शब्द के सही पर्यायवाची पर गोला लगाइए-

क. पेड़ —----	घन	घट	वृक्ष
ख. नौकर—----	सिंह	सरिता	दास
ग. तालाब—----	ताकत	वर	सरोवर
घ. आग —---	अग्नि	नीर	काया
ङ. शक्ति —---	दास	ताकत	अभिमान

2. नीचे गए दिए चित्रों के लिए तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

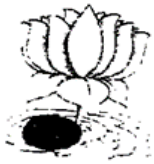

कमल .....

चाँद .....

नदी .....

माँ .....

3. रंगीन शब्द के स्थान पर उचित पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए-

(क) धरती पर भूकंप आ गया।……..

(ख) भगवान सबका भला करें।……

(ग) अनुज मेरा मित्र है।……

(घ) पेड़ पर पक्षी बैठे हैं।……

4.निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1. समुद्र. …… …… ……
2. पवन …… …… ……
3. कमल …… …… ……
4. अमृत. …… …… ……
5. मित्र. …… …… ……

5.पर्यायवाची शब्दों का उचित मिलान कीजिए।

1. हाथी	नग
2. पर्वत	तट
3. पवन	सूर्य
4. किनारा	गज
5. रवि	वायु

पाठ- 15

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
(one word substitution)

कई बार हम बोलते या लिखते वक्त अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हैं जिससे भाषा सुंदर एवं प्रभावशाली बन जाती है। जैसे-

1. जो पढ़ा-लिखा न हो ऐसे व्यक्ति को कठिनता से रोज़गार मिलता है।

   अनपढ़ व्यक्ति को कठिनता से रोज़गार मिलता है।

2. हमें दूसरों का भला करने वाला बनना चाहिए।

   हमें परोपकारी बनना चाहिए।

जो शब्द अनेक शब्दों (वाक्यांश) के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द कहलाते है।

फौज में काम करने वाला-फौजी

खेती करने वाला - किसान

डाक बाँटने वाला - डाकिया

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. सप्ताह में एक बार होने वाला - साप्ताहिक
2. जिसके आने की तिथि न हो - अतिथि
3. जो कभी न मरे - अमर
4. जो बहुत बोलता हो - वाचाल
5. जो गिना न जा सके - अगणित
6. जो स्त्री कविता लिखती हो - कवयित्री
7. पंद्रह दिन में एक बार होने वाला - पाक्षिक

8.	जिसके समान कोई दूसरा न हो	-	अद्वितीय
9.	जो परिचित न हो	-	अपरिचित
10.	जिसकी कोई उपमा न हो	-	अनुपम
11.	जिसका भाग्य बहुत अच्छा हो	-	भाग्यवान
12.	जिसके माता-पिता न हों	-	अनाथ
13.	अच्छे चरित्र वाला	-	सच्चरित्र
14.	तप करने वाला	-	तपस्वी
15.	जो जन्म से अंधा हो	-	जन्मांध
16.	जिसे गुप्त रखा जाए	-	गोपनीय
17.	गणित का ज्ञाता	-	गणितज्ञ
18.	आकाश को चूमने वाला	-	गगनचुंबी
19.	जो सदा सत्य बोलता हो	-	सत्यवादी
20.	जिसके दिल में दया हो	-	दयाल
21.	आकाश में उड़ने वाला	-	नभचर
22.	प्रतिदिन होने वाला	-	दैनिक
23.	जो उपकार मानता है	-	कृतज्ञ
24.	किसी की हँसी उड़ाना	-	उपहास
25.	ईश्वर में आस्था रखने वाला	-	आस्तिक
26.	भगवान को न मानने वाला	-	नास्तिक
27.	जिसका मूल्य न आँका जा सके	-	अमूल्य
28.	अपने देश की वस्तु	-	स्वदेशी
29.	दूसरे देश की वस्तु	-	विदेशी
30.	जिसे किसी का डर न हो	-	निडर
31.	जो बड़ा भाई हो	-	अग्रज
32.	जो छोटा भाई हो	-	अनुज

33.	मांस खाने वाला	-	मांसाहारी
34.	सब्ज़ी खाने वाला	-	शाकाहारी
35.	विद्यालय में पढ़ने वाला	-	विद्यार्थी
36.	साथ पढ़ने वाला	-	सहपाठी
37.	जो जूते बनाते है	-	मोची
38.	जो सोने-चाँदी के गहने बनाते हैं	-	सुनार
39.	जो लकड़ियाँ काटता है	-	लकड़हारा
40.	जो लोहे का सामान बनाते हैं	-	लोहार
41.	जो चित्र बनाते हैं	-	चित्रकार
42.	जो रोगियों का इलाज करते हैं	-	डॉक्टर
43.	जो रोगियों की सेवा करते हैं	-	नर्स
44.	जो कविता लिखते हैं	-	कवि
45.	जो आलस करते हैं	-	आलसी

अभ्यास कार्य-

1. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

क. जिसके आने की तिथि न हो……,.....

ख. जो छोटा भाई हो…….,,.....

ग. सप्ताह में एक बार……..

घ. जो कभी ना मरे……..

ङ. साग-सब्ज़ी खाने वाला.....

2. दिए गए वाक्यांशों के लिए सही विकल्प चुनिए-

क. जिसके आने की तिथि न हो –

(1)अतिथि (2)मनोहर (3) अमूल्य (4) छायादार

ख. जिसकी कोई कीमत न हो –

(1) दैनिक (2) अमूल्य (3) अनुपम (4) अद्वितीय

ग. चित्र बनाने वाला

1) चित्रकार (2) कवि (3) श्रोता (4) चित्रकारी

घ. दूसरे देश का

(1) विदेशी (2) सत्यवादी (3) सहपाठी (4) स्वदेशी

ङ. जो ईश्वर में विश्वास न रखता हो

1) आस्तिक (2) नास्तिक (3) भाग्यवान (4) अनाथ

3. **प्रत्येक वाक्य में रंगीन शब्द समूह के लिए मटके से एक शब्द लेकर वाक्य पूरा कीजिए-**

क. पीपल छाया देने वाला वृक्ष है, वह .....है।

ख. विशाल चित्र बनाने वाला है, वह .....है।

ग. महात्मा गांधी हमेशा सत्य बोलते थे, वे..... थे।

घ. यह कार्यक्रम सप्ताह में एक बार आता है, यह .....है।

ङ. लक्ष्मी ईश्वर पर विश्वास करती है, वह .....है।

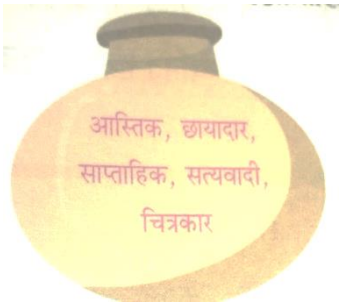

पाठ 16

मुहावरे (Idioms)

'मुहावरे' वास्तव में अपनी बात को रोचक तथा प्रभावशाली रूप में कहने का ढंग है। इससे भाषा में सुंदरता आती है। भाषा सजीव तथा प्रभावशाली बन जाती है। लगातार प्रयोग करने से 'मुहावरे' लोगों में प्रचलित हो जाते हैं। मुहावरों की रचना आसपास की वस्तुओं या प्राणियों की विशेषताओं को देखकर की जाती है।

जैसे: 'आँखों से अंगारे बरसना', जिसका अर्थ है क्रोधित होना गुस्से में आँखें लाल हो जाती हैं और अंगारे भी लाल होते हैं। आइए! मुहावरों के कुछ उदाहरण देखें-

1.आँख का तारा-बहुत प्यारा।
वाक्य- हर माँ के लिए उसका बच्चा उसकी **आँख का तारा** होता है।

2. **पीठ दिखाना**-भाग खड़ा होना।
वाक्य:-युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों ने **पीठ दिखाई।**

3.**आना-कानी करना**-बहाने बनाकर इंकार करना।
वाक्य:-कोई भी काम कहने पर रवि हर वक्त **आना-कानी** करता है।

4.**कान पर जूँ न रेंगना**-बिलकुल असर न होना।
वाक्य:-माँ ने सोनू को कई बार समझाया परंतु सोनू के **कान पर जूँ न रेंगी।**

5. **दाँतों तले उंगली दबाना** -आश्चर्य प्रकट करना।
वाक्य:-जादूगर की जादू को देखकर सब ने **दांतों तले उंगली दबा ली।**

6. **नाक में दम करना**-बहुत दुखी करना।
वाक्य:-मम्मी घर पर नहीं थी और पिंकी ने अपने भाई की **नाक में दम कर दिया।**

7. **बाल-बाल बचना**-मुश्किल से बचना।
वाक्य:-सुधीर तेज गति में मोटरसाइकिल चला रहा था और अचानक ब्रेक लगाने पर वह **बाल बाल बचा।**

8. **हवा से बातें करना**-बहुत तेज दौड़ना।
वाक्य:-रानी लक्ष्मीबाई का घोड़ा रणभूमि में **हवा से बातें करने लगा।**

9.**हक्का बक्का रह जाना**-आश्चर्यचकित रह जाना।
वाक्य:-छोटे से नट के करतब देखकर मैं **हक्का-बक्का रह गया।**

10. **हाथ बँटाना**- मदद करना।
वाक्य -मेहमान के आने पर मधु झट अपनी माँ का **हाथ बँटाने लगी।**

11. **कमर टूटना**- हिम्मत खत्म होना।
वाक्य:-सुबह-से काम करते करते मेरी तो **कमर ही टूट गई।**

12. **मुँह में पानी भर आना**-खाने को जी ललचाना।
वाक्य - रोटी को देखकर लोमड़ी के **मुँह में पानी भर आया।**

13. **आँख लगना**-सो जाना।
वाक्य:-इधर रामू की **आँख लगी,** उधर चोर चोरी करके भाग गया।

14**. गुड़-गोबर करना**-बना बनाया काम बिगाड़ना।
वाक्य:-भारत के बल्ले बाज अच्छी तरह खेल रहे थे लेकिन बारिश ने आकर पूरे खेल का **गुड़-गोबर कर दिया।**

15. **गुलछरे उड़ाना**-मौज करना।
वाक्य:-रोहन अपने पिता की कमाई पर **गुलछरें उड़ा रहा है।**

16. **घाव पर नमक छिड़कना**-दुखी को और दुखी करना।
वाक्य:-रवि की मिल जल जाने पर उसका भाई उसे दोष देकर उसके **घाव पर नमक छिड़कने लगा।**

17. **चैन की वंशी बजाना**-बेफिक्र होकर आनंद मनाना।
वाक्य:- परीक्षा होने के बाद विद्यार्थी एक महीने तक **चैन की वंशी बजाते हैं।**

18. **चादर से बाहर पाँव पसारना**-आमदनी से अधिक खर्च करना।
वाक्य:-हमें अपनी चादर से बाहर **पाँव पसारने नहीं चाहिए,** वरना बाद में पछताना पड़ता हैं।

19. **चिकनी चुपड़ी बातें करना**-खुशामद करना।
वाक्य:-लोग **चिकनी चुपड़ी बातें** करके अपना काम निकाल लेते हैं।

20. **छठी का दूध याद आना**-मुसीबतों के आने पर बचपन का सुख याद आना।
वाक्य:-नौकरी ढूँढने में वीरेश का इतना बुरा हाल हुआ कि उसे **छठी का दूध याद आ गया**।

21. **जमीन पर पैर न पड़ना**-घमंड होना।
वाक्य:-जब से रोहित की नौकरी लगी है, उसके **जमीन पर पैर नहीं पड़ रहे ।**

22.**जी जान से काम करना** पूरी लगन से काम करना।
वाक्य:-अभय गरीब है लेकिन जी जान से काम करता है।

23. **टस से मस न होना** - अपने फ़ैसले पर अडिग रहना।
वाक्य:-महेश को पूरे परिवार ने समझाया, पर वह **टस से मस न हुआ।**

24. **तिल का ताड़ बनाना** - छोटी-सी बात को बढ़ा देना।
वाक्य:-तुम्हें समझदारी से काम लेना चाहिए, **तिल का ताड़ बनाना** अच्छी बात नहीं है।

25. **तारे गिनना**-जागकर रात काटना।
वाक्य:-तान्या ने अपने भाई के इंतज़ार में **तारे गिने।**

26.**दाँत खट्टे करना**-हरा देना।
वाक्य:-भारतीय सेना कई बार पाकिस्तानी सैनिकों के **दाँत खट्टे कर चुकी है।**

27.**नाकों चने चबाना**-बहुत परेशान होना।
वाक्य:-रेखा को गाँव में स्कूल चलाने के लिए **नाकों चने चबाने पड़े।**

28.**अक्ल पर पत्थर पड़ना**-बुद्धि भ्रष्ट होना।
वाक्य:-जब से मानव बुरे लडकों की संगत में रहने लगा है।उसकी **अक्ल पर पत्थर पर गए हैं।**

29. **आँखें फेरना**-बदल जाना।
वाक्य:-बुरा समय आने पर अपने सगे भी **आँखें फेर लेते हैं।**

30. **आस्तीन का साँप** कपटी मित्र।
वाक्य:-मैं अनुराग को अपना सबसे अच्छा मित्र समझता था वह तो **आस्तीन का सांप निकला।**

31. **रंग में भंग पड़ना** -मज़ा किरकिरा होना।
वाक्य:-शादी की पार्टी में सब लोग नाच रहे थे कि अचानक आँधी आ जाने से **रंग में भग पड़ गया।**

32. **लोहे के चने चबाना**- बहुत-सी कठिनाइयाँ झेलना ।
वाक्य:-जीवन में सफलता पाने के लिए **लोहे के चने चबाने पड़ते हैं।**

33.**सिर मुँडाते ही ओले पड़ना**-काम शुरू होते ही मुसीबत आना।
वाक्य:-अकबर के फेक्टरी शुरू करते ही मज़दूरों ने हड़ताल कर दी। सिर मुंडाते ही ओले पड़ गए।

34.**हाथ-पाँव फूलना** -घबराना।
वाक्य:-आस्था कार चला रही थी, सामने से कुत्ता आते देखकर उसके **हाथ पाँव फूल गए।**

35. **गले पड़ जाना**-ज़बरदस्ती मुसीबत आ जाना।
वाक्य:-ये तो बिन बुलाए मेहमान गले पड़ गए हैं।

हम समझ गए-

- वाक्य का वह अंश जो विशेष अर्थ देता है, उसे मुहावरा कहते हैं।
- मुहावरे के प्रयोग से भाषा मज़ेदार रोचक, सुंदर व प्रभावशाली बनती हैं।

अभ्यास कार्य-

1. **निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए-**

(क) लोहे के चने चबाना .....

(ख) रंग में भंग पड़ना .....

(ग) आंख का तारा होना .....

(घ) खून पसीना एक करना .....

(ङ) कलेजे पर साँप लोटना .....

2. **मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाइए।**

नाक में दम करना	आश्चर्य प्रकट करना
बाल-बाल बचना	निश्चित होकर सोना
घोड़े बेच कर सोना।	मुश्किल से बचना
दाँतों तले उँगली दबाना	बहुत दुखी करना

3. **सही विकल्प चुनिए-**

(क) घबराना के लिए मुहावरा है।

1. आँखें खुलना
2. हाथ पाँव फूलना
3. भाग जाना
4. आँखों का अंधा होना।

(ख) बहुत-सी कठिनाइयाँ झेलना के लिए मुहावरा है।

1. लोहे से चने चबाना
2. तिल का ताड़ करना।
3. एकमात्र सहारा
4. पीठ दिखाना।

(ग) बिल्कुल असर न होना के लिए मुहावरा है।

1. आना - कानी करना
2. भाग खड़ा होना।
3. कान पर जूँ ना रेंगना
4. बाल बाल बचना।

4. सही मुहावरा चुनकर वाक्य पूरे कीजिए-

आँखों का तारा, अंधे की लाठी, अपना उल्लू सीधा करना, दाँत खट्टे करना, चार चाँद लगाना

(क) तुमने आकर इस खुशी के अवसर पर……,... ।
(ख) रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के……।
(ग) मनुज अपने पिता जी की ……..।
(घ) अनुज अपने माता-पिता के लिए …….।
(ङ) सचिन तो केवल…….. ।

5. नीचे दिए चित्रों और शब्दों को जोड़कर सही मुहावरे लिखिए-

पाठ 17

अपठित गद्यांश (Unseen Passage)

अपठित का अर्थ होता है- जो पढ़ा हुआ न हो तथा गद्यांश का अर्थ होता है- गद्य का अंश। ऐसा गद्यांश जो पढ़ा नहीं गया है, उसे पढ़कर समझना और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना होता है।

अपठित गद्यांश को पढ़ते समय ध्यान रखने योग्य बातें-

- गद्यांश को 2-3 बार अच्छी तरह पढ़ना चाहिए।
- मुख्य बिंदुओं को पढ़ते समय चिह्नित कर लेना चाहिए।
- प्रश्नों को पढ़कर गद्यांश में से उत्तर देखकर लिखना चाहिए।
- उत्तर के रूप में एक या दो वाक्य लिखे जाने चाहिए।

नीचे दिया गया अपठित गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर समझिए -

1) एक बार बनारस के एक मंदिर से स्वामी विवेकानंद निकल रहे थे। तभी उन्हें बहुत सारे बंदरों ने घेर लिया। बंदर स्वामी विवेकानंद के हाथों से प्रसाद छीनने लगे और उन्हें डराने लगे। स्वामी विवेकानंद वहाँ से भागने लगे। उनको दौड़ता देख बंदर भी उनके पीछे-पीछे भागने लगे।वहाँ खड़े एक वृद्ध संन्यासी ने विवेकानंद जी से कहा, "डरो मत! उनका सामना करो।" संन्यासी की बात सुनकर विवेकानंद बंदरों का सामना करने के लिए पलटे और आगे बढ़ने लगे। विवेकानंद को अपनी ओर आते हुए देख बंदर भागने लगे। बंदरों को भागता देख वे हैरान हो गए। वे समझ गए कि यदि हम किसी चीज से भयभीत होते हैं तो उससे भागने या डरने की बजाय उसका सामना करना चाहिए। उन्होंने संन्यासी को धन्यवाद कहा।

प्रश्न-उत्तर

क.)स्वामी जी भयभीत क्यों हो गए?

(उ) बंदरों को अपने पीछे आता हुआ देखकर स्वामी जी भयभीत हो गए।

ख.)विवेकानंद ने संन्यासी को धन्यवाद क्यों कहा?

(उ) बंदरों से बचने का उपाय बताने के लिए विवेकानंद ने संन्यासी को धन्यवाद कहा।

(ग) इस कहानी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

(उ) इस कहानी से हमें मुसीबतों से भागने की बजाय उनका सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

(घ) इस कहानी से बंदरों के बारे में क्या पता चलता है?
(उ) इस कहानी से हमें पता चलता है कि बंदर हम इंसानों की नकल करते हैं।

(ड़) बंदरों ने घेर लिया। (रेखांकित शब्द का पर्यायवाची लिखकर वाक्य पुनः लिखिए।)
(उ) वानरों ने घेर लिया।

2) जामुन का वृक्ष काफ़ी ऊँचा और घना होता है। इसके पत्ते लंबे, चिकने और कोमल होते हैं। जामुन स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको खाने से खून संबंधित रोग दूर होते हैं और दाँतों में मज़बूती आती है। जामुन के फल के साथ-साथ इसकी पंक्तियाँ, गुठलियाँ और छाल के भी बहुत सारे फ़ायदे होते हैं। इसकी गुठली और पत्तों के सेवन से मधुमेह रोग में लाभ मिलता है। इसकी छाल का सेवन पेट के लिए लाभदायक होता है।

(क) जामुन के पत्ते कैसे होते हैं?
(उ) जामुन के पत्ते लंबे, चिकने और कोमल होते हैं।

(ख) जामुन का वृक्ष कैसा होता है?
(उ) जामुन का वृक्ष ऊँचा और घना होता है।

(ग) जामुन खाने के क्या-क्या फायदे हैं?
(उ) जामुन खाने से खून संबंधित रोग दूर होते हैं और दाँतों में मज़बूती आती है।

(घ) जामुन की गुठली किस काम आती है?
(उ) जामुन की गुठली के सेवन से मधुमेह रोग में लाभ मिलता है।

(ङ) पत्ता और वृक्ष शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखो।
(उ)पत्ता-पत्र, पर्ण।
वृक्ष–पेड़, तरु।

3) बैसाखी का त्योहार पूरे पंजाब में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन लोग नदियों तथा सरोवरों में स्नान करते हैं। नई फ़सल आने के कारण कृषकों में विशेष उल्लास होता है। किसान भाँगड़ा नृत्य करके अपनी खुशी प्रकट करते हैं। इस दिन कई स्थानों पर मेले लगते हैं। इस दिन कोई नया काम करना शुभ माना जाता है।

(क) बैसाखी के दिन लोग कहाँ स्नान करते हैं?
(उ) पवित्र नदियों तथा सरोवरों में।

(ख) बैसाखी के दिन कृषकों में विशेष उल्लास क्यों होता है?
(उ) नई फ़सल आने के कारण।

(ग) किसान अपनी खुशी किस प्रकार प्रकट करते हैं?
(उ) भाँगड़ा नृत्य करके।

(घ) बैसाखी का त्योहार कहाँ मनाया जाता है?
(उ) पंजाब में।

(ड़) बैसाखी के दिन क्या करना शुभ माना जाता है?
(उ) नया काम आरंभ करना।

4) जब हम आपस में मिलते है तब सम्मान में एक-दूसरे का अभिवादन करते हैं। भारत में एक-दूसरे का अभिवादन कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग नमस्ते या नमस्कार कहकर अभिवादन करते हैं, तो कुछ लोग अस-सलाम-अलैकुम, वणकम्म, सत-श्री-अकाल कहकर अभिवादन करते हैं। अभिवादन करना और उसका उत्तर देना सभ्य होने की पहचान है। अभिवादन ऐसी कला है, जिससे अजनबी भी अपना बन जाता है।

क. **हम एक-दूसरे का सम्मान कैसे करते हैं?**
उ. अभिवादन द्वारा हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

ख. **भारत में अभिवादन किस तरह से किया जाता है?**
उ. भारत में एक-दूसरे का अभिवादन कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग नमस्ते या नमस्कार कहकर अभिवादन करते हैं, तो कुछ लोग अस-सलाम-अलैकुम, वणकम्म और सत-श्री-अकाल कहकर अभिवादन करते हैं।

ग. अभिवादन करना और उसका उत्तर देना किसकी पहचान है?
उ. अभिवादन करना और उसका उत्तर देना सभ्य होने की पहचान है।

घ. अभिवादन की क्या विशेषता है?
उ. अभिवादन करने से अजनबी भी अपना बन जाता है।

ङ. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखो।
उ. अभिवादन।

हम समझ गऐ

- अपठित का अर्थ है जो पहले न पढ़ा गया हो।
- गद्यांश का अर्थ है गद्य का अंश।
- गद्य का ऐसा अंश जो पहले न पढ़ा गया हो, अपठित गद्यांश कहलाता है।

आओ कुछ करें-

दिए गए अपठित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखे।

1. गुलाब बाग राजस्थान में है। यह उदयपुर जिले का सबसे बड़ा बाग माना जाता है। यह 100 एकड़ जमीन में फैला हुआ है। इसका निर्माण 1850 के आसपास महाराजा सज्जन सिंह ने करवाया था। इसीलिए, इसे सज्जन निवास उद्यान के नाम से भी जाना जाता है। इसमें गुलाब के फूलों की कई किस्में हैं जो और कहीं नहीं पाई जातीं। बाग के पास ही चिड़ियाघर, सरस्वती भवन पुस्तकालय और संग्रहालय है।

क. गुलाव बाग कहाँ है?

_____

ख. गुलाव बाग का निर्माण किसने करवाया था?

_____

ग. गुलाव बाग को और किस नाम से जाना जाता है?

_____

घ. गुलाब बाग के आसपास और क्या-क्या है?

_____

ङ. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

_____

2. हम कागज का उपयोग लिखने और छपाई के लिए करते है। कभी आपने सोचा है कि कागज हमें कैसे मिलता है? आमतौर पर कागज लकड़ी की लुगदी से बना जाता है। इसके अलावा बाँस

और घास से भी कागज बनता है। पहले जब कागज नहीं था तब पेड़ की छाल और पत्तों पर लिखा जाता था। आज बाजार में कई रंगों के कागज़ उपलब्ध हैं। लेकिन लिखने के लिए अभिकतर सफेद कागज का इस्तेमाल किया जाता है। कागज बहुत उपयोगी है, इसे बरबाद नही करना चाहिए। यदि हम कागज़ का उपयोग समझदारी से नहीं करेंगे तो अधिक मात्रा में कागज़ बनाना होगा। इसके लिए अधिक पेड़ काटने होंगे, जिससे पर्यावरण पर संकट आ जाएगा।

क. कागज़ का उपयोग हम किसलिए करते हैं?

ख. जब कागज़ नहीं था तव किसपर लिखा जाता था?

ग. कागज़ किन चीज़ों से बनाया जाता है?

घ. कागज़ का प्रयोग समझदारी से न करने पर क्या होगा ?

ङ. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

3. समुद्र के रूप में राम की सेना के सामने एक बड़ी चुनौती थी। उसे कैसे पार करें ? राम ने समुद्र से विनती की। तीन दिन बैठे रहे कि समुद्र रास्ता दे दे। वह नहीं माना तो राम को क्रोध आ गया।राम का क्रोध देखते हुए समुद्र ने उन्हें सलाह दी "आपकी सेना मे नल और नील वानर हैं।वे पुल बना सकते हैं। उससे वानर सेना पार उतर जाएगी।"नल और नील ने अगले ही दिन काम प्रारंभ कर दिया। पुल बनने लगा। वानर कंकड़, पत्थर और शिलाएँ, लाते रहे। पाँच दिन में पुल तैयार हो गया। सबसे पहले विभीषण पुल से उस पार गए। पीछे-पीछे वानर सेना। सेना का अगला शिविर दूसरे तट पर बना।

1. राम की सेना के सामने बड़ी चुनौती क्या थी ?

2. राम को क्रोध क्यों आया ?

3. समुद्र ने राम को क्या सलाह दी ?

4. पुल बनने में कितना समय लगा ?

4. इन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो –

दिन _____ _____
समुद्र _____ _____
वानर _____ _____

5. गद्यांश से दो संख्यावाचक विशेषण शब्द चुनकर लिखो -

4. लंबी छुट्टियों के बाद जब रवि स्कूल जा रहा था, तब उसने देखा कि उसके स्कूल के निकट खेल के मैदान में खुदाई हो गई थी। वही एक मैदान उनके खेलने के लिए वहाँ पर था। लोगों ने बताया कि वहाँ एक बहुमंजिली इमारत बनेगी। जब रवि को समझ में आया कि मुलायम घास गेंदे के फूल एवं तितलियों वाला विशाल मैदान अब हमेशा के लिए नष्ट हो चुका है तो उसकी आँखों से आँसू छलकने लगे। उसने यह बात अपने सहपाठियों को बताई। सुबह की सभा में प्रधानाचार्य ने भी बहुत उदासी से कहा, "देखो, कैसे हमारा पर्यावरण बदल रहा है।" कक्षा में पहुँचकर रवि ने अपने शिक्षक से पूछा, "पर्यावरण क्या है ?" शिक्षक ने बताया कि जो कुछ भी तुम अपने आस-पास देखते हो, वे सभी हमारे पर्यावरण के अंग हैं।

1 लंबी छुट्टियों के बाद स्कूल जाते समय रवि ने क्या देखा ?

_____

2. रवि की आँखों से आँसू क्यों छलकने लगे ?

_____

3. पर्यावरण क्या होता है ?

_____

4. 'मुलायम घास' में विशेषण और विशेष्य बताओ
उत्तर- विशेषण.....

विशेष्य.....

5.नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थक शब्द लिखो

नष्ट विशाल- सुबह- शिक्षक-

पाठ 18

चित्र वर्णन(Picture Description)

चित्र-वर्णन एक कला है। किसी चित्र को ध्यान से देखकर मन में आने वाले भावों को लिखना ही चित्र-वर्णन कहलाता है। चित्र-वर्णन करते समय चित्र में दी गई प्रत्येक चीज़ को ध्यान से देखना चाहिए। फिर क्रमानुसार, रोचक भाषा में लिखना चाहिए।

क्या जानेंगे?
• चित्र-वर्णन
•चित्र-वर्णन की विशेषताएँ

चित्रों को देखकर समझ में आने वाली बातों को लिखना चित्र-वर्णन है।

चित्र वर्णन करते समय ध्यान रखने वाली बातें -

- चित्र को ध्यान से देखिए और समझिए कि वह किस विषय से संबंधित है।
- चित्र में समाहित सभी बातों को लेखन में शामिल कीजिए।
- सभी वाक्य एक-दूसरे से संबंधित हो तथा शब्द या वाक्य में दोहराव नहीं होना चाहिए।
- शब्द सीमा 70-80 शब्द के अंतर्गत होनी चाहिए।

आओ, कुछ चित्रों को देखकर उनका वर्णन करना सीखें।

चित्र वर्णन-1

यह पहाड़ी क्षेत्र का दृश्य है। पहाड़ों के बीच से सूर्य उगता हुआ दिखाई दे रहा है। पहाड़ों के ऊपर बादल दिखाई दे रहे हैं। चिड़िया चहक रही है। पहाड़ों के बीच से नदी बह रही है। नदी के किनारे हरी-हरी घास व पेड़-पौधे हैं। एक परिवार नाव में बैठकर इन नज़ारों का आनंद ले रहा है। लड़की पिताजी से बातें कर रही है। उनकी बातें सुनकर माँ खुश हो रही हैं।नाविक नाव चला रहा है।

चित्र वर्णन 2.

यह रेलवे स्टेशन का चित्र है। प्लेटफॉर्म पर गाड़ी खड़ी है। लोग अपना सामान लेकर इधर-उधर जा रहे हैं। यहाँ पर एक स्टॉल है, जहाँ से लोग सामान खरीद रहे हैं। यहाँ एक बेंच भी है। बेंच पर कुछ यात्री बैठे हैं। एक कुली सिर पर सामान रखकर ले जा रहा है। टी टी रेलगाड़ी को लाल झंडी दिखा रहा है।

चित्र वर्णन 3

यह चित्र बगीचे का है। जहां बच्चे खेल रहे हैं। माली पेड़ों में पानी दे रहा है। एक लड़की अपनी मां के पास बात कर रही है। पार्क मे एक फवारा लगा हुआ है। पार्क में चारों ओर हरियाली ही हरियाली दिखाई दे रही है। एक लड़का फुटबॉल खेल रहा है। कुछ बच्चे फिसल रहे हैं। दो बच्चे सी शी शाॉ पर झूम रहे हैं।

चित्र वर्णन-4

दो लड़कियाँ अपने खिलौनों से खेल रही हैं। वे पलंग पर बैठी हैं। दोनों के हाथों में गुड़ियाँ है। दोनों उनके बारे में बातें कर रही हैं। दोनों लड़कियाँ बहुत खुश दिखाई दे रही हैं। पास ही पलंग पर उनकी एक और गुड़ियाँ पड़ी है। रात हो रही है पर दोनों की बातें तो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहीं।

नीचे दिए हुए चित्रो को देखिए और उसका वर्णन कीजिए।

1.

2.

3.

पाठ 19

पत्र लेखन (Letter Writing)

पत्र, अपने मन की बात एक-दूसरे तक पहुँचाने का तथा संचार का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। यह लिखित भाषा का एक रूप है। अपने मन के भाव लिखकर अपने सगे-संबंधियों, प्रियजनों तक पहुँचाने के लिखित का उपयोग किया जाता था। शिष्टाचार पत्र व्यवहार का मुख्य गुण है।

मुख्य रूप से पत्र दो प्रकार के होते हैं-

पत्र के प्रकार -

1.अनौपचारिक पत्र 2. औपचारिक पत्र

1.अनौपचारिक पत्र - मित्र, परिवार, प्रियजन आदि को लिखे जाने वाले पत्र इस प्रकार की पत्रों में औपचारिकता नहीं होती। भाषा सरल होती है इन्हें व्यक्तिगत पत्र भी कहते हैं।

2.औपचारिक पत्र - कक्षा-अध्यापिका, प्रधानाध्यापिका, संपादक, पुस्तक विक्रेता, नगरपालिका, कार्यालय आदि को लिखे जाने वाले पत्र। इनमें सम्मानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है।

पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें-

- पत्र की भाषा सरल, सहज और स्पष्ट होनी चाहिए।
- वाक्य छोटे और अर्थपूर्ण होने चाहिए।
- लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए।
- विराम चिह्नों का उचित प्रयोग किया जाना चाहिए।
- जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उनका उचित संबोधन लिखा जाना चाहिए।
- औपचारिक पत्रों में संबोधन के रूप में मान्यवर, महोदया जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- घरेलू पत्रों में बड़ों के लिए आदरणीय, छोटों के लिए प्रिय जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है।
- परीक्षा में पत्र लिखते समय अपने पते के स्थान पर 'परीक्षा भवन' लिखा जाना चाहिए।
- पत्र में पहले अपना नाम, पता लिखें।
- डाक टिकट अवश्य लगाएँ।

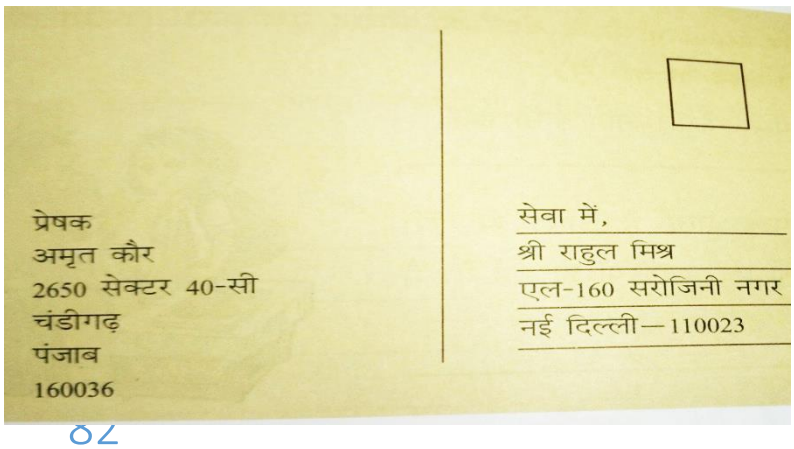

- इसके बाद जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उसका पता लिखें।
- लिफाफे पर एक ओर अपना पता, दूसरी ओर पत्र पाने वाले का पता लिखें।

(क) अनौपचारिक पत्र-

1. अपने दादाजी को अपनी लिखावट के विषय में बताते हुए पत्र लिखिए।

80/85 पुष्प विहार, दिल्ली

11.10.20xx

आदरणीय दादाजी,

सादर प्रणाम।

दादाजी, आज मेरी अध्यापिका ने मेरे लिखावट की बहुत प्रशंसा की। आप हमेशा कहते थे न कि अच्छी लिखावट से काम करना चाहिए। आप हमेशा मुझे अच्छी लिखावट के लिए अभ्यास करने के लिए कहते थे। मैंने आपकी बात सदा ही मानी है। आज मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं आपको धन्यवाद कहना चाहता हूँ।

दादीजी को मेरा प्रणाम कहिएगा।

आपका पोता,

राजू

2.जन्मदिन पर उपहार भेजने के लिए मामा जी को धन्यवाद-पत्र

33, त्रिमूर्ति नगर

नई दिल्ली

18 मई 20XX

आदरणीय मामा जी

चरण स्पर्श,

मेरे जन्म दिन पर आपके द्वारा उपहार स्वरूप भेजी गई घड़ी बहुत ही सुंदर है। सचमुच यह उपहार प्रशंसनीय है। यह घड़ी सदा आपकी याद दिलाती रहेगी और मुझे समय पर कार्य करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। इस उपहार के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मामा जी व मामी जी को प्रणाम। सौरभ और गौरव को प्यार।

आपका भांजा
सचिन शर्मा

3. कक्षा में प्रथम आने पर चाचा जी को पत्र लिखिए।

146 लाजपतनगर दिल्ली
18.6.20XX
आदरणीय चाचा जी
सादर प्रणाम

मैं कुशल हूँ। आशा है आप और चाची जी भी कुशल पूर्वक होंगे। आपको यह बताने में बहुत खुशी हो रही है कि मैं इस बार भी अपनी कक्षा में प्रथम आया हूँ। मेरे 96 प्रतिशत अंक आए हैं। प्रधानाचार्या जी कह रही थीं कि इतने प्रतिशत अंक प्राप्त करके मैंने मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सब आपके आशीर्वाद का फल है जो मुझे मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। मैं गर्मियों की छुट्टियों में घर आऊँगा।

आपका भतीजा

प्रणव

4. रुपये प्राप्ति पर पिता जी को पत्र लिखिए।

मॉडल स्कूल
छात्रावास,
नैनीताल, उत्तर प्रदेश।
दिनांक-28.06.20XX

पूजनीय पिता जी,
सादर प्रणाम।

आपका प्यारा-सा पत्र मिला और साथ ही मनीआर्डर भी। रुपये भेजने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने भ्रमण पर जाते समय जिन बातों का ध्यान रखने के लिए कहा है, मैं उन बातों का अवश्य ध्यान रखूँगा। उदयपुर घूमते समय वहाँ के इतिहास एवं प्राचीन इमारतों के शिल्पकला और अन्य सभी महत्त्वपूर्ण जानकारी को डायरी में अवश्य लिखूँगा। माता जी को प्रणाम।

आपका प्रिय पुत्र
सहज

(ख) औपचारिक पत्र

1.प्रधानाचार्य जी को शुल्क माफ़ी के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल,
मौसम विहार, दिल्ली।

विषय-शुल्क माफ़ी के लिए प्रार्थना-पत्र।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं कक्षा चार का छात्र हैं। मेरे पिता जी काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं, जिससे उनका व्यापार ठप्प हो गया है। माता जी सिलाई का काम करके पिता जी की दवाई और घर का खर्च कठिनाई से चला पाती हैं। इस स्थिति में मैं विद्यालय शुल्क नहीं दे सकता। मेरी पढ़ाई में विशेष रुचि है। मैंने प्रत्येक कक्षा अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण की है। आप मेरा शुल्क माफ़ कर दीजिए। मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
अनुराग
कक्षा-चतुर्थ ब
दिनांक-10.7.20XX

2.अवकाश के लिए प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र।

सेवा में,
प्रधानाध्यापक
मॉडल स्कूल, कोलकाता

विषय - दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदय,
निवेदन है कि कल शाम को खेलते समय मेरे पैर में चोट लग गई। चलने से पैर में बहुत दर्द हो रहा है। डॉक्टर ने मुझे दो दिन आराम करने की सलाह दी है। अतः आप मुझे दो दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी छात्र
राघव
कक्षा-4 'ब'
दिनांक - 16 नवंबर 20XX

3. पुस्तकालय में अधिक बाल-पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाध्यापक
सैंट अलोयसियस स्कूल जबलपुर (म. प्र.)

विषयः बाल-पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा चौथी का छात्र हूँ। हमारे पुस्तकालय में हम बच्चों के स्तर की बाल-पत्रिकाएँ बहुत कम है। बाल-पत्रिकाओं की रोचक कहानियाँ, पहेलियाँ एवं चुटकलों से हमें ज्ञान मिलने के साथ-साथ मनोरंजन भी होता है। कृपया पुस्तकालय में कुछ बाल-पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने की कृपा करें। हम आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
रोहित गर्ग
दिनांक – 12.10.20XX

अभ्यास कार्य-
दिए गए विषयों पर पत्र लिखो -

(क.) अपने मित्र द्वारा दिए गए उपहार के लिए धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।
(ख.) विद्यालय की हॉकी टीम में अपने चयन का अनुरोध करते हुए खेल-शिक्षक को प्रार्थना- पत्र लिखो।
(ग.) 'नंदन' पत्रिका के संपादक को पत्रिका में सुधार का सुझाव देते हुए पत्र लिखो।
(घ.) विद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्या को आवेदन-पत्र लिखें।
(ङ.) दीदी की शादी पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखो।
(च.) अपनी सहेली / अपने मित्र को पत्र लिखकर बताओ कि तुम छात्रावास में किस तरह से रह रही/रहे हो।
(छ.) छुट्टियों में तुम इस बार साँची का स्तूप देखने गए थे। वहाँ के बारे में दादा जी को पत्र लिखो।
(ज.) अपने मित्र को पत्र लिखकर बताओ कि इस बार तुमने अपना जन्मदिन किस तरह से मनाया।

पाठ-20

अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writing)

किसी विषय पर मन में आए भावों या विचारों को कम शब्दों में व्यक्त करना अनुच्छेद लेखन कहलाता है।

अनुच्छेद लेखन में कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी होता है।

1. दिए गए विषय पर पहले विचार करना चाहिए।
2. अनुच्छेद में वाक्य छोटे-छोटे होने चाहिए।
3. भाषा शुद्ध और सरल होनी चाहिए।
4. शब्द और वाक्यों का आपस में तालमेल होना चाहिए।
5. अनुच्छेद को एक ही अनुच्छेद में लिखा जाना चाहिए।

आओ, कुछ अनुच्छेद पढ़ें।

राष्ट्रीय पक्षी मोर

मोर हमारे देश का राष्ट्रीय पक्षी है। यह बहुत सुंदर पक्षी है।इसलिए इसे पक्षियों का राजा कहते हैं। मोर का शरीर बड़ा और भारी होता है। यही कारण है कि यह आसमान में अधिक ऊँचा नहीं उड़ सकता है। यह प्रायः झाड़ियों में रहता है। मोर की गर्दन लंबी होती है। इसके सिर पर एक सुंदर कलगी होती है। मोर के पंख बहुत आकर्षक होते हैं। इसके पंखों पर आधे चाँद जैसा निशान होता है। वर्षा ऋतु में बादलों को देखकर यह थिरकने लगता है और अपने पंख फैलाकर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत करता है। यह कीड़े-मकोड़े और अनाज खाता है। यह साँपों का शत्रु होता है। लड़ाई में यह उन्हें मार डालता है।

इंटरनेट

आज किसी भी व्यक्ति को दुनिया के किसी भी कोने की कोई भी जानकारी चाहिए तो वो इंटरनेट पर उपलब्ध हो जाती है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, ज्योतिष संबंधी जानकारी, खेल, संगीत, शिक्षा, फिल्म, मौसम, विवाह करवाने, नौकरी प्राप्त करने, टिकट बुकिंग (रेल तथा हवाई), होटल

बुकिंग, खरीदारी सभी कुछ बड़ी ही सहजता से संभव हो जाता है। किसी भी विषय की जानकारी मात्र एक क्लिक से प्राप्त की जा सकती है। अपने ज्ञान का विस्तार करने के लिए, दूर बैठे लोगों से संपर्क साधने के लिए, अपने फ़ोटो भेजने व मँगवाने के लिए, स्कूलों-कॉलेजों में दाखिले की जानकारी के लिए, अस्पताल की जानकारी के लिए, हर तरह की जानकारी के लिए इंटरनेट उपलब्ध है। इंटरनेट आज मनोरंजन और ज्ञान विस्तार का सबसे अच्छा साधन बन गया है। इन सभी सुविधाओं के साथ-साथ इससे फैलने वाली कुछ बुराइयाँ भी आज विस्तार पा रही हैं। इसका दुरुपयोग करने वाले भी कम नहीं हैं। वायरस के माध्यम से दूसरों को नुकसान पहुँचाना, आज भारत के भिन्न-भिन्न शहरों में होने वाले 'सीरियल ब्लास्ट' में भी इसका सहारा लिया जा रहा है। जिस प्रकार विज्ञान वरदान के साथ-साथ अभिशाप भी बन रहा है, उसी प्रकार आज इंटरनेट का सही प्रयोग वरदान और गलत प्रयोग अभिशाप बनता जा रहा है। नवीन तकनीकों के प्रयोग के समय सतर्कता अनिवार्य है।

मेरा मनपसंद त्योहार होली

होली का त्योहार बिलकुल अनोखा है। होली के दिन, रात को लकड़ी व उपलों के ढेर में आग लगाई जाती है। लोग खुशी से नाचते हैं। अगले दिन 'धुलंडी' मनाई जाती है। प्रातःकाल से ही सभी मिलकर फाग खेलते हैं। सायंकाल स्थान-स्थान पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।इस दिन अपार हर्ष के बीच सभी लोग बैर-विरोध तथा भेदभाव छोड़कर गले मिलते हैं। यह त्योहार फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस समय ऋतुराज वसंत का स्वागत करने के लिए प्रकृति अपनी अपूर्व सुंदरता उड़ेल देती है। कहा जाता है कि राक्षसों के राजा हिरण्यकश्यप ने अपने आप को ईश्वर कहलाने के लिए अपने ही बेटे प्रहलाद को अपनी बहन होलिका की गोद में बिठाकर अग्नि के हवाले कर दिया था। होलिका को यह वरदान मिला था कि अग्नि उसे जला नहीं सकेगी; लेकिन ऐसा नहीं हआ। होलिका जल गई और

प्रहलाद बच गया। हमारे देश में किसानों के लिए होली का विशेष महत्त्व है। मार्च के महीने में अधपके अनाज के बालों की आहुति देकर वे अग्नि देवता को प्रसन्न करने का प्रयत्न करते हैं।

मेरा मनपसंद मौसम

मेरा मनपसंद मौसम वसंत है। इस मौसम में प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में होती है। इसे ऋतुराज भी कहा जाता है। इससे पहले शीत ऋतु होती है। जिसमें पेड़ों से पत्ते झड़ जाते हैं। वसंत ऋतु के आने पर पेड़ों पर नई पत्तियाँ आने लगती हैं। आम के वृक्ष बौरों (मंजरी) से लद जाते हैं। कोयल की कूक सुनाई देने लगती है। खेतों में सरसों के पीले फूल लहराने लगते हैं। बागों में रंग-बिरंगे फूल दिखाई पड़ते हैं। जिसे देखकर मन आनंदित हो उठता है।

अभ्यास कार्य-

दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए-

(क) अनुशासन

(ख) सच्ची मित्रता

(ग) मेरी प्रिय पुस्तक

(घ) समय का महत्व

पाठ-21

संवाद लेखन (Dialogue Writing)

जब दो या दो से अधिक व्यक्ति आपस में बातचीत करते हैं, उस बातचीत को संवाद कहते हैं। इस बातचीत को जब लिखकर बताते हैं, उसे संवाद लेखन कहते हैं।
संवाद लिखते समय ध्यान रखना चाहिए
संवाद छोटे व सरल हों तथा उनमें क्रमबद्धता होनी चाहिए। यहाँ कुछ संवाद लिखे हैं, इन्हें पढ़िए और समझिए।

नीचे लिखे संवाद को पढ़िए।

संवाद 1

दादा और पोती के बीच संवाद।

दादा:- बेटी, कहाँ जा रही हो?

पोती:- हाँ दादाजी, दुकान तक जा रही थी। पेंसिल खरीदनी है।

दादा:- अच्छा! क्या तुम मेरा एक काम कर दोगी?

पोती:- अरे दादाजी! यह कोई पूछने की बात है। बताइए ज़रूर करूंगी।

दादा:- बेटी, मैं अपना चश्मा कहीं रखकर भूल गया हूँ। ज़रा खोज दो। मुझे समाचार - पत्र पढ़ना है।

पोती:- वाह दादाजी ! यह देखिए। आपके सिर के ऊपर आपने चढ़ा रखा है।

दादा:- ओ मेरी प्यारी बिटिया।

पोती:- अच्छा दादाजी, मैं चलती हूँ।

संवाद 2

दो छात्रों के बीच परियोजना कार्य को लेकर हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए-

नीलिमा:- गार्गी, तुम क्या सोच रही हो? तुम कुछ परेशान हो क्या?

गार्गी:- हमें ग्रहों के बारे में जानकारी देने के लिए परियोजना कार्य दिया गया है। सोच रही हूँ, कैसे बनाऊँ?

नीलिमा:- तुम ऐसे कर सकती हो, ए4 आकार का पेपर लेना। उसमें 9 गुब्बारों के चित्र बनाओ। उनपर ग्रहों के नाम क्रम से लिख दो। जो ग्रह जैसा होता है, उसे उस तरह से रंग आदि कर देना।

गार्गी: - अरे वाह! ये तो बहुत अच्छा सुझाव है। क्या तुम मेरा साथ दोगी?

नीलिमा:- हाँ - हाँ क्यों नहीं! चलो हम मिलकर परियोजना कार्य करते हैं।

गार्गी:- मैं अपनी साइकिल लाती हूँ। पहले सामान ले आऊँ, फिर बनाएँगे सौरमंडल। नीलिमा, गार्गी

:हा! हा! हा!

संवाद 3

अध्यापिका और वरुण के बीच संवाद (कक्षा में देर से आने के कारण)

अध्यापिका : - वरुण, आज तुम स्कूल देर से क्यों आए?

वरुण : - क्षमा करें, मैं एक ज़रूरी काम में लगा हुआ था।

अध्यापिका :- कैसा ज़रूरी काम ?

वरुण: - मैं स्कूल आने के लिए घर से निकल ही रहा था तो देखा कि दादाजी ज़मीन पर गिरे हुए कराह रहे थे। माँ-पिताजी मंदिर गए हुए थे। मैंने और रोहन भैया ने उन्हें पलंग पर बैठाया। उन्हें पीने के लिए पानी दिया। तभी माँ-पिताजी आ गए। तब मैं स्कूल के लिए निकला।

अध्यापिका:- वरुण तुमने सराहनीय काम किया है। मैं तुम्हारी समझदारी के लिए तुम्हें शाबाशी देती हूँ।

संवाद 4

सानिया और लक्ष्मी के बीच हुआ संवाद (पोंगल त्योहार के विषय में)

सानिया : - लक्ष्मी, कई दिनों से दिखाई नहीं दी। कहीं बाहर गई हुई थी क्या?

लक्ष्मी : - हाँ मैं अपनी दादी के यहाँ पोंगल का त्योहार मनाने चेन्नई गई थी।

सानिया : - मुझे इस त्योहार के बारे में बताओ। यह कैसे मनाया जाता है?

लक्ष्मी : - यह त्योहार चार दिनों तक मनाया जाता है।

सानिया : - इस त्योहार पर क्या-क्या करते हैं?

लक्ष्मी : - पोंगल का पहला दिन भोगी पोंगल के नाम से मनाया जाता है। इस दिन घर की साफ़-सफाई करते हैं। साफ़-सफ़ाई से निकला पुराना और बेकार सामान रात को जलाया जाता है।

सानिया:- दूसरे दिन क्या करते हो?

लक्ष्मी:- दूसरे दिन थाई पोंगल मनाते हैं। इस दिन मिट्टी के बरतन में खीर (शर्कराई) बनाकर सूर्य देवता को भो लगाया जाता है। इसी दिन सुबह घर की चौखट पर कोलम भी बनाते हैं

सानिया:- फिर तीसरे और चौथे दिन क्या करते हो?

लक्ष्मी:- तीसरे दिन माट्टू पोंगल मनाया जाता है। इस दिन पशुओं की पूजा जाती है। चौथे और अंतिम दिन कन्नुम्म पोंगल मनाया जाता है। इस दिन औरतें अपने भाइयों की उन्नति की कामना करती हैं।

सानिया:- अरे वाह ! यह तो बड़ा मज़ेदार त्योहार है। अब तो मेरा मन भी पोंगल त्योहार में शामिल होने को कर रहा है।

संवाद 5

दो बच्चों के भी संवाद-

निधि:- मुझे हिंदी की कहानियाँ पढ़ना बहुत अच्छा लगता है। तुम्हें क्या पसंद है

सान्या :- मुझे तो चित्रकारी बहुत पसंद है।

निधि:- सच में, चित्रकारी तो मुझे भी पसंद है पर मुझसे अच्छे चित्र नहीं बनते।

सान्या:- तुम दुखी मत हो निधि। तुम मुझे कहानियाँ सुनाना और मैं तुम्हें चित्र बनाना सिखा दूँगा।

निधि:- (खुश होकर) वाह! यह बहुत अच्छी बात है।

अभ्यास कार्य

आओ कुछ करें –

1. निम्नलिखित विषयों पर संवाद लिखिए।

(क) दो महिलाओं के बीच दिवाली के त्योहार की तैयारी का संवाद लिखे।

(ख) दुकानदार और ग्राहक के बीच संवाद लिखें।

(ग) पिता और पुत्र के बीच में संवाद लिखें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) संवाद किसे कहते हैं उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) संवाद लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाठ-22

कहानी लेखन (story writing)

कहानी लिखना एक कला है। इसे अभ्यास के द्वारा सीखा जा सकता है। कुछ संकेत बिंदुओं के आधार पर तथा चित्रों की सहायता से कहानी लिखी जा सकती है। दिए गए चित्र अथवा बिंदुओं पर विचार करना, घटना और पात्रों की कल्पना करके उन्हें कहानी के रूप में पिरोना चाहिए।

कहानी लिखते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।-

*कहानी की भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

* कहानी में लिखे गए वाक्य छोटे और स्पष्ट होने चाहिए।

* कहानी का समापन स्पष्ट और रोचक होना चाहिए।

*कहानी के शीर्षक से उसकी विषयवस्तु का भाव स्पष्ट होना चाहिए।

एकता मे बल है

एक गाँव में एक बूढ़ा किसान था। उसके चार बेटे थे, जो सदा आपस में लड़ते रहते थे। उनकी रोज की लड़ाई देखकर किसान बहुत दुखी रहने लगा और बीमार पड़ गया। जब किसान को अपने बचने की आशा न रही, तो एक दिन उसने चारों बेटों को बुलाया। जब उसके लड़के आ गए तो उसने उनसे लकड़ी का एक गट्ठर मँगवाया। लड़कों को बहुत आश्चर्य हुआ, मगर किसान के कहने पर वे लकड़ी का गट्ठर ले आए। किसान ने उनसे उस गट्ठी को खोलने के लिए कहा। गट्ठर खुलने के बाद किसान ने उनसे लकड़ियाँ तोड़ने के लिए कहा। सभी ने आसानी से लकड़ियाँ तोड़ दी। इस पर किसान ने उन्हें समझाया कि यदि तुम लोग इस गट्ठर की तरह एक रहोगे तो कोई भी तुम्हें हरा नहीं पाएगा, यदि तुम लोग अलग-अलग रहोगे तो कोई भी तुम लोगों को आसानी से इस लकड़ी की तरह हरा देगा। किसान के बेटे उसकी बात समझ गए और उन्होंने अपने पिता को मिल-जुलकर रहने का वचन दिया।

शिक्षा - एकता में ही शक्ति है।

2.गरम खिचड़ी

शिवाजी वीर योद्धा थे। मुगलों को शिवाजी के आक्रमण की चिंता लगी रहती थी। एक बार शिवाजी ने मुगलों के एक बड़े किले पर धावा बोल दिया। वहाँ मुगल सैनिकों की संख्या अधिक थी और वे सावधान भी थे। शिवाजी की हार हुई। शिवाजी अपने बचे-खुचे सैनिकों के साथ वहाँ से भाग निकले।चलते-चलते वे पूरी तरह थक चुके थे। थक-हारकर वे एक बुढ़िया के घर में आए। भूखे-प्यासे लोगों को देखकर बुढ़िया को दया आ गई। बुढ़िया ने उन लोगों के लिए खिचड़ी पकाई। शिवाजी को बहुत भूख लगी थी। जब उनके सामने खिचड़ी परोसी गई तो वे उस पर टूट पड़े। खिचड़ी गरम थी, इसलिए हाथ लगाते ही वे चीख पड़े। चीख सुनकर बुढ़िया ने कहा, "बेटा, लगता है तुम शिवाजी से भी तुम अधिक नासमझ हो।" शिवाजी ने पूछा, "माता जी, आप ऐसा क्यों कह रही हैं ?"बुढ़िया बोली, "शिवाजी वीर है, पर बुद्धिमान नहीं। अगर वह बुद्धि से काम लेता तो उसकी हार नहीं हुई होती। तुम अपनी बात ही लो। तुम्हारे सामने खिचड़ी आई और तुम बीच से खाने लगे और अपनी उंगलियाँ जला बैठे। यदि तुम किनारे से खाते तो ऐसी हालत न होती। इसी तरह शिवाजी भी पहले किनारे के छोटे-छोटे किलों को जीतता तो बाद में बीच के बड़े किलों को जीतना आसान हो जाता।"शिवाजी की आँखें खुल गईं। उन्होंने खाना खाकर बुढ़िया को प्रणाम किया और अपने राज्य लौट आए। उन्होंने सेना पुनः एकत्रित की।

शिक्षा : हमें उतावलेपन से नहीं, समझदारी से कार्य करना चाहिए।

3. अब अंगूर खट्टे ना थे

एक लोमड़ी घूमने जा रही थी। उसने सामने एक अंगूर की बेल देखी। अंगूर के गुच्छे बहुत ऊपर थे। उसके मुँह में पानी भर आया। लोमड़ी ने छलाँग लगाई पर ऊपर तक न पहुँच पाई। उसने फिर छलाँग लगाई पर इस बार भी कोई बात न बनी। लोमड़ी ने इधर-उधर देखा। अंगूर की बेल दीवार पर चढ़ी हुई थी। दीवार के पास एक पेड़ था। लोमड़ी पेड़ पर चढ़ी फिर दीवार पर कूदी। उसने जी-भरकर अंगूर खाए। वह बोली अरे ! ये तो बहुत मीठे हैं।

बच्चों ! परिश्रम का फल मीठा ही होता है

4. कबूतर और बहेलिया

एक पेड़ पर बहुत-से कबूतर रहते थे। उनमें एक बूढ़ा कबूतर भी था। एक दिन बूढ़े कबूतर ने देखा कि पेड़ के नीचे बहुत सारा दाना पड़ा है। बूढ़ा कबूतर सब समझ गया। सब कबूतर दाना देख नीचे की ओर उड़े। अचानक बूढ़ा कबूतर चिल्लाया - ठहरो। वापिस आओ। सब कबूतर पेड़ पर आ बैठे। बूढ़े कबूतर ने समझाया - ज़रा सोचो, पेड़ के नीचे दाना कहाँ से आया। हो न हो यह बहेलिए की चाल है। वह हमें पकड़ना चाहता है। वह यहीं-कहीं छिपा बैठा होगा। सब कबूतर सावधान हो गए। बहेलिया शाम तक वहीं छिपा बैठा रहा फिर थककर लौट गया।

बच्चों ! हमें हर काम सोच-समझकर करना चाहिए।

चित्र देखते हुए कहानी लिखिए-

1.

2.

3.

4.